धनबाद, गुरूवार
27 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 327
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

दूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

एसआईआर व मतदाता सूची को लेकर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने की कांग्रेस कार्यकताओं संग बैठक

महागामा। ग्रामीण विकास मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर क्षेत्रीय समस्याओं और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रक्फ़के तहत जारी नोटिस एवं मतदाता सूची से जुड़े मामलों में पात्र मतदाताओं को हरसंभव सहयोग देने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटना चाहिए और कोई व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहकर समस्याओं के समाधान के लिए काम करने का आह्वान किया। बैठक में जिला एवं प्रखंड कांग्रेस के पदाधिकारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा के लिए हर आदिवासी-मूलवासी का सवाल दिमागी नक्सल : विनोद कुमार पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और भाजपा पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति में झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, गरीब और अपने अधिकार की आवाज उठाने वाले हर व्यक्ति को संदेह की नजर से देखना एक खतरनाक मानसिकता बन गई है। सवाल यह है कि क्या भाजपा की नजर में हर आदिवासी-मूलवासी, हर झारखंडी और केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति दिमागी नक्सल है?

पांडेय ने कहा कि चुनी हुई सरकार और उसके मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए नक्सल जैसे गंभीर शब्दों का राजनीतिक इस्तेमाल भाजपा की हताशा को दिखाता है। झारखंड के लोग लोकतांत्रिक तरीके से अपनी जमीन, जंगल, पानी, खनिज और रोजगार पर अधिकार मांगते हैं। इसे नक्सलवाद कहना झारखंड की जनता का अपमान है।

खनिज पर आंकड़े गिनाने से पहले गांवों का दर्द समझें

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेताओं को झारखंड के खनिज पर आंकड़े गिनाने से पहले उन गांवों का दर्द समझना चाहिए, जिनकी जमीन खदानों के लिए गई, जंगल उजड़े और पीढ़ियां विस्थापन झेलती रहीं।

कार से 60 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू, (एजेंसी) जिले में नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री रोकने को लेकर चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-39 पर वाहन जांच के क्रम में एक कार से 121 किलो गांजा बरामद किया गया है।इसकी कीमत 60 लाख रुपये है।गांजा को ओडिशा से हरिहरगंज ले जाया जा रहा था। इस सिलसिले में जिले के सतबरवा इलाके के दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एसपी कपिल चौधरी ने बुधवार शाम पांच बजे बताया कि सतबरवा पुलिस ने मंगलवार रात गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की कार रोककर तलाशी ली, जिसमें डिक्की और आगे की सीट के नीचे छिपाकर ले जाये जा रहे 117 पैकेट में 121 किलो गांजा मिला।मौके से दो मोबाइल और दो फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुए।पुलिस ने मामले में सनोज कुमार यादव उर्फ बाबू (25) और शम्भू कुमार यादव (30) को गिरफ्तार किया है। शंभू हरिहरगंज में सीएसपी संचालक है, जबकि सनोज ड्राइवरी का काम करता है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, 100 की मौत, 1000 लापता:पावर प्लांट-पुल बहे; 133 भारतीय लापता, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे थे

नेपाल (एजेंसी) : नेपाल में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ से भारी तबाही हुई। तिमुरे और स्याब्रुबेसी में घर, वाहन और पुल बह गए। कई लापता हैं। इनमें सैकड़ो भारतीय भी शामिल हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात की। उन्होंने नेपाल को हर संभव मानवीय एवं राहत सहायता देने का भरोसा दिया। बाढ़ से जुड़े हर एक छोटे-बड़े अपडेट के लिए जुड़े रहिए अमर उजाला के साथ...

नेपाल में भोटे कोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रॉयटर्स के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 95 हो गई। ये शव कई जिलों में बरामद किए गए हैं। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अब भी तलाशी और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों की टीमें लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं। राहत और बचाव कार्य के बीच मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

नेपाल दूतावास ने बताया कि बाढ़ से घरों, सड़कों, पुलों, जलविद्युत परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। नेपाल की सुरक्षा एजेंसियां, आपदा प्रबंधन विभाग स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं को राहत और बचाव कार्य में लगाया गया है। प्रभावित इलाकों में तलाशी और बचाव अभियान, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा आपात चिकित्सा सहायता देने का काम जारी है।

अधिकारियों ने नदियों के जलस्तर और निचले इलाकों में आगे बाढ़ के खतरे पर भी नजर बढ़ा दी है। दूतावास के अनुसार, मृतकों, लापता लोगों और नुकसान की सही संख्या अभी सत्यापित की जा रही है। आपदा के कारणों का भी आकलन किया जा रहा है। नेपाल सरकार ने मित्र देशों और अंतरराष्ट्रीय सझेदारों से मिली संवेदनाओं और मदद की पेशकश के लिए आभार जताया है। विदेशी सहायता की जरूरत और उसके इस्तेमाल का फैसला काठमांडो में नेपाल सरकार के स्तर पर किया जाएगा। भारत में नेपाल का दूतावास नेपाल सरकार और भारत सरकार के बीच जरूरी समन्वय के लिए संपर्क में है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने बाढ़ के कारण हुई मौतों पर शोक जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल को हर संभव मानवीय और राहत सहायता देने का भरोसा दिया। नेपाल में बाढ़ के कारण कई इलाकों में हालात गंभीर बने हुए हैं। भारत ने संकट की इस घड़ी में नेपाल के साथ खड़े रहने और जरूरत के मुताबिक राहत एवं मानवीय सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से यह मदद की पेशकश भारत और नेपाल के बीच करीबी संबंधों को भी दशार्ती है।

अधिकारियों के अनुसार, भारतीय वायुसेना के विमानों से दवाइयों और राशन समेत जरूरी राहत सामग्री नेपाल भेजी जा रही है। यह सहायता सरकार की मानवीय सहायता और आपदा राहत पहल के तहत दी जा रही है। भारत नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के बचावकर्मियों को भी भेजने की तैयारी कर रहा है। बाढ़ से नेपाल के उत्तरी जिलों में भारी तबाही हुई है। अब तक चार लोगों की मौत की खबर है और करीब 400 लोग लापता हैं। इनमें 105 भारतीय और 37 भारतवंशी शामिल हैं। बाढ़ से कई बस्तियों और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

तेलंगाना में छड़ लदे कंटेनर से बस टकराई, 5 की मौत, 20 घायल

हैदराबाद (तेलंगाना), 26 अगस्त (हि.स.)। सूर्यपेट जिले में बुधवार तड़के लगभग 4:30 बजे एक निजी बस के लोहे की छड़ों से लदे कंटेनर से टकरा जाने से हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह हादसा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। 42 यात्रियों को लेकर निजी बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, बस आगे जा रहे कंटेनर के पिछले हिस्से से टकरा गई। कंटेनर में लोहे की छड़ लदी थीं। टक्कर के बाद बस के भीतर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस का कहना है कि बस से घायलों और फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकालने में एक घंटे से अधिक का समय लगा। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया।

इस हादसे के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने मुख्य सचिव को घायलों के इलाज में कोताही न बरतने का आदेश दिया।

ईद मिलाद-उन-नबी पर रांची में धूमधाम से निकला जुलूस

रांची, (एजेंसी) : ईद मिलाद-उन-नबी पर बुधवार को धूमधाम से रांची में जुलूस निकाला गया। एदार ए शरीया झारखंड की देखरेख में, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी की ओर से और उलेमा के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया।

हिंदपीढ़ी, नाला रोड, खेत मोहल्ला, गोवाला टोली, गोदरी कुरैशी मोहल्ला, आजाद बस्ती, थड़पकना, मोरहाबादी, कांटा टोली, मौलाना आजाद कॉलोनी, गौस नगर, इलाही बख्श कॉलोनी, नेवरी सीरत नगर, बरियातू, भिट्ठा, कांके, बारूह, आजाद हिंद नगर, डोरंडा, रहमत कॉलोनी, मनी टोला, गौस नगर, दर्जी मोहल्ला, फिरदौस नगर सहित अन्य जगहों से जुलूस अपने-अपने तय रास्ते से होते हुए सुबह 11 बजे कर्बला चौक पहुंचे, जहां से मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी, मौलाना डॉ ताजुद्दीन रिजवी, मौलाना मसूद फरीदी, कारी अयूब रिजवी, मुफ्ती आकिब जावेद, अकीलुर रहमान, मो इसलाम, मो आफताब, परवेज ने संयुक्त रूप से जुलूस का नेतृत्व किया।

जुलूस विक्रांत चौक, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन इस्लामिया होते हुए एकरा मस्जिद के पास रतन टॉकीज में सभा स्थल में तब्दील हो गया, जहां पर सभा जलसा को सम्बोधित करते हुवे एदार ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला ने कहा कि

मिलादे मुस्तफा मनाना और यौमे विलादत हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि और सल्लम का जन्म दिवस ईद मीला दुन्नबी के मौके से बड़ी धूमधाम से जुलूसे मुहम्मदी निकालना बरकत का जरिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोगों के लिए अल्लाह तआला की तरफ से सबसे बड़ी बरकत व नेमत यह है कि अल्लाह ने हजरत मुहम्मद मुस्तफा को इस दुनिया में भेजा। जिसके बारे में रब ने कहा कि नेमत और फजल के मिलने पर जश्न मनाओ, आज हमें पैगंबर की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।सभा को संबोधित करते हुए मौलाना डॉ ताजुद्दीन ने कहा कि पैगंबर के आगमन के दिन को बड़े सम्मान के साथ मनाना सभी सहाबा की सुन्नत है और पैगंबर ने खुद अपनी मीलाद मनाई थी। हर साल खुब धुम धाम से जश्ने ईद मीलादुन्नबी मनाना इसलाम और मानवता का हिस्सा है।पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि हजरत मुहम्मद सबके लिए हैं।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत केंद्रीय मंत्रियों ने ईद मिलाद-उन-नबी पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी) :ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। सभी ने पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं को याद करते हुए शांति, करुणा, आपसी सम्मान, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का संदेश दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को ईद मिलाद-उन-नबी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अवसर पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं को याद करने का है, जो लोगों को नेक आचरण और कर्तव्य-भावना अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने सभी से उनके जीवन के महान सिद्धांतों से मार्गदर्शन लेकर समावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मिलाद-उन-नबी पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र अवसर करुणा, सद्भाव और आपसी सम्मान के मूल्यों को बनाए रखने तथा भाईचारे के बंधन को मजबूत करने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने सभी के लिए शांति, खुशी और समृद्धि की कामना की।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ईद मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं देते हुए देश में शांति, सद्भाव और एकता की भावना और अधिक मजबूत होने की कामना की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिलाद-उन-नबी का अवसर सभी के लिए शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि समाज में आपसी सद्भाव और करुणा की भावना और मजबूत होगी।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पैगंबर मुहम्मद का जीवन और उनकी शिक्षाएं मानवता के लिए करुणा, शांति और न्याय जैसे सदाबहार मूल्यों की याद दिलाती हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर भाईचारे के बंधन को मजबूत करे और देश में आपसी सम्मान व सांप्रदायिक सद्भाव पर आधारित समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करे।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ईद मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के लिए शांति, खुशी, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ईद मिलाद-उन-नबी पर बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए।

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की मुबारकबाद देते हुए दुआ की कि यह पावन अवसर लोगों के जीवन में खुशियां लाए, देश में आपसी भाईचारा मजबूत हो और हर परिवार तरक्की करे।

लद्दाख में 22 हजार फीट ऊंचाई से स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का परीक्षण

न्योमा-मुध ड्रॉप जोन में 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित रूप से उतरे तीन टेस्ट जम्पर्स

नई दिल्ली, (एजेंसी) : डीआरडीओ ने लद्दाख में दुनिया के सबसे ज्यादा ऊंचाई वाले ड्रॉप जोन में से एक पर अपने मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का सफल टेस्ट किया। ये ट्रायल दक्षिण-पूर्वी लद्दाख के न्योमा-मुध ड्रॉप जोन में किए गए, जहां तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक था। तीन टेस्ट जम्पर्स ने 22 हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई और 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित रूप से उतरे। इस स्वदेशी प्रणाली से भारतीय सशस्त्र बलों को 25 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनात करने की क्षमता मिलेगी, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (एमसीपीएस) अत्याधुनिक पैराशूट प्रणाली है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं आगरा स्थित एयर डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीआरडीई) और बेंगलुरु स्थित बीईएमएल ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह भारतीय सशस्त्र बलों के उपयोग में आने वाली एकमात्र ऐसी पैराशूट प्रणाली है, जो 25 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई से संचालन करने में सक्षम है। इसे 32 हजार फीट तक की ऊंचाई से सफलतापूर्वक परखा जा चुका है।

अब देश ने दक्षिण-पूर्वी लद्दाख में मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का परीक्षण करके अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के लिए स्वदेशी तकनीक के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस परीक्षण को एडीआरडीई के टेस्ट जंपर्स विंग कमांडर राहुल झा, चीफ टेस्ट जंपर आरजे सिंह और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने अंजाम दिया। सभी जंपर्स ने एमसीपीएस के साथ इसके विभिन्न उप-तंत्रों का भी इस्तेमाल किया। चुनौतीपूर्ण न्योमा-मुध ड्रॉप जोन में माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान और 22 हजार फीट की ऊंचाई से इसका सफल परीक्षण किया गया। इसके बाद टेस्ट जंपर्स ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पैराशूट को नियंत्रित करते हुए नीचे की ओर यात्रा की और करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित लैंडिंग की।

डीआरडीओ के मुताबिक इतनी अधिक ऊंचाई और बेहद कम तापमान के बावजूद मिलिट्री कॉम्बेट पैराशूट और उससे जुड़े स्वदेशी सिस्टम ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। यह प्रणाली भारत के स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन सिस्टम से लैस है, जो बाहरी हस्तक्षेप या जामिंग से सुरक्षित और सटीक नेविगेशन सुनिश्चित करती है। इसमें उतरने की धीमी दर, बेहतरीन स्टीयरिंग नियंत्रण और विशेष ऑक्सीजन सिस्टम व पैरा-कंप्यूटर जैसी स्वदेशी उप-प्रणालियां हैं। परीक्षण के दौरान स्वदेशी पैरा कंप्यूटर, ऑक्सीजन सिस्टम और विशेष जंपसूट सहित सभी संबंधित प्रणालियों का उपयोग किया गया।

इससे अत्यधिक ऊंचाई पर पूरे सिस्टम की संयुक्त कार्यक्षमता और विश्वसनीयता का भी आकलन किया गया।

कर्नाटक: मंत्री नागेंद्र ने 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलुरु,((एजेंसी) । कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों के बीच, राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी.नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने मामले को लेकर डीके शिवकुमार सरकार पर भारी दबाव बनाया हुआ था। विपक्षी भाजपा ने नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन किए, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा कार्यकताओं ने फ्रीडम पार्क से विधानसभा का घेराव करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया।

विपक्ष का आरोप था कि कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर नागेंद्र को तत्काल पद से हटना चाहिए। भाजपा ने तर्क दिया कि करीब 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के दौरान संबंधित मंत्री का पद पर बने रहना उचित नहीं है। लगातार विरोध प्रदर्शनों, विधानसभा में हंगामे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के कारण ही नागेंद्र ने यह फैसला लिया। नागेंद्र की इस्तीफे की पेशकश को विपक्ष के निरंतर दबाव का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व पर निर्भर है। विधानसभा सत्र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन वाल्मीकि निगम के कथित घोटाले को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव अभी भी जारी है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ किया धोखा : देवेन्द्रनाथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच के नेतृत्व में भर्ती व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हित में चल रही भर्ती सुधार यात्रा बुधवार को तीसरे दिन चतरा और कोडरमा होते हुए गिरिडीह पहुंची।

इस अवसर पर यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और राज्य के मानव संसाधन को उचित सम्मान नहीं दिया।

देवेंद्र महतो ने कहा कि छात्रों के भविष्य की गारंटी और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि भर्ती सुधार यात्रा के माध्यम से पूरे झारखंड में युवाओं और अभ्यर्थियों को संगठित किया जाएगा। यात्रा की शुरूआत रामगढ़ के नेमरा से हुई है। गुरुवार को यात्रा देवघर पहुंचेगी।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर जन-जागरण, पदयात्रा और जनसभाओं के माध्यम से युवाओं एवं अभ्यर्थियों को भर्ती व्यवस्था में सुधार के लिए जागरूक किया गया। यात्रा की शुरूआत चतरा जिले के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद देहर, चौपारण, बटबीघा, उरवां और बरही में जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कोडरमा जिले के सुभाष चौक, झंडा मोड़ और महाराणा प्रताप चौक पर पदयात्रा निकाली गई। इसके बाद गिरिडीह जिले के डोमचांच, घोड़थंभा और गोरीमहुआ में जनसभा हुआ।

मौके पर मनोज यादव, आकांक्षा कुमारी, कृष्णा यादव, मेघनाथ महतो, चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र और अभिभावक मौजूद थे।

खूंटी-रांची मार्ग पर आशा किरण के पास बना दे रहा दुर्घटना को निमंत्रण

खूंटी , (एजेंसी) : राष्ट्रीय राजमार्ग (खूंटी-रांची मुख्य मार्ग) पर आशा किरण संस्था के पास सड़क के बीचों-बीच बना एक गहरा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। इस मुख्य मार्ग पर दिन-रात भारी वाहनों के साथ-साथ दोपहिया और चार पहिया वाहनों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे हर पल किसी बड़े हादसे को निमंत्रण दे रहा है।

सड़क धंसने के कारण बने इस गड्ढे की गहराई अधिक होने की वजह से वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने हादसों से बचाव के लिए फिलहाल गड्ढे के अंदर पेड़ की पत्तियां और झाड़ियां भर दी हैं और पास में एक बड़ा पत्थर रखकर संकेत देने की कोशिश की है।

हालांकि, यह अस्थायी उपाय किसी बड़े खतरे को टालने के लिए नाकाफी है। रात के अंधेरे में या तेज गति से आने वाले वाहनों के लिए यह गड्ढा जानलेवा साबित हो सकता है। गड्ढे के आसपास सड़क में दरारें भी उभर आई हैं, जिससे सड़क के और धंसने का खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी अनहोनी का इंतजार किए बिना इस खतरनाक गड्ढे की जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए।

बीएफसीएल वॉलीबॉल टूनामेंट का समापन, डीआरआई डिफेंडर्स बनी विजेता

रामगढ़, (एजेंसी) : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में आयोजित वॉलीबॉल टूनामेंट रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बुधवार को फाइनल मुकाबले में डीआरआई डिफेंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कमर्शियल स्पाइकर्स को पराजित कर टूनामेंट का खिताब अपने नाम किया।फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, जोश और टीम भावना का प्रदर्शन किया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अंततः डीआरआई डिफेंडर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।टूनामेंट में कंपनी की विभिन्न विभागीय टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना, आपसी समन्वय और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।टूनामेंट के समापन अवसर पर विजेता डीआरआई डिफेंडर्स और उपविजेता कमर्शियल स्पाइकर्स के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों ने पूरे टूनामेंट के दौरान अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया।बीएफसीएल प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी टीमों और खिलाड़ियों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

भाजपा ने एसआईआर की प्रक्रिया में विसंगतियों को लेकर निर्वाचन विभाग को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड भाजपा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग को विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआइआर) के तहत दावा और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि में हो रही अनियमितताओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह एसआईआर के प्रदेश संयोजक र-ाकेश प्रसाद के जरिये अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर सौंपा गया है।

राकेश प्रसाद ने ज्ञापन में जिक्र तमाम बिंदुओं के मद्देनजर मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच करा कर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई करने और इस प्रकार के मामलों की पुनरावृति न हो, इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों को यथोचित निर्देश देने की मांग की है।

सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि भारत में स्वच्छ और त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र का मजबूत आधार है। इसी दृष्टि से भारत निर्वाचन आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआइआर) की प्रक्रिया चलायी जा रही है। इसका मूल उद्देश्य है कि एक भी भारतीय मतदाता छूटे नहीं और एक भी गैर भारतीय का नाम मतदाता सूची में जुड़े नहीं।

ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड में कई अधिकारी व कर्मचारी इस नियम के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। विशेष कर संथालपरगना प्रमंडल में जो विसंगतियां आ रही है, राज्य के लिए चिंताजनक है। इस संबंध में समाचार पत्रों की छाया प्रति भी संलग्न किया गया है। झारखंड में स्वच्छ और त्रुटि रहित मतदाता सूची निर्माण के लिए कई बिन्दुओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि 15 सितम्बर, 2026 तक दावा और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि में फार्म-6, 7 एवं 8 भरना है। इसी दौरान जिनका मतदाता सूची के प्रारूप में नाम तो दर्ज है, परंतु उन्होंने सत्यापन के लिए 2003 का कोई भी आधार नहीं दिया है, जिस-के कारण उनका नाम असत्यापित की सूची में है। इस प्रकार के मतदाताओं की सुनवाई के पश्चात स्वीकृत सूची विधानसभा के अनुसार उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसकी पारदर्शिता बनी रहे।

ज्ञापन में कहा गया है कि साहेबगंज जिला के राजमहल विधानसभा में बूथ संख्या-343, गृह संख्या-01 में वर्ष 2019 की मतदाता सूची में 4 मतदाताओं का नाम था, जबकि 25 जुलाई, 2024 को प्रकाशित मतदाता सूची में 39 मतदाताओं का नाम है। वर्तमान सूची में सैयद अली का आयु 69 वर्ष है, जबकि उसके पुत्र गफूर शेख की आयु 67 वर्ष है। इसी बूथ पर वर्ष 2019 में आजाद अली की आयु 34 वर्ष है, वहीं 2024 की सूची में आजाद अली का नाम नहीं है, परंतु उनकी पत्नी आयसा का नाम है, जिसकी आयु 64 वर्ष है।

इसके अलावा जिन बिंदुओं का जिक्र किया गया है उसमें कहा गया है कि राजमहल विधानसभा में बूथ संख्या-187, गृह संख्या-137 में वर्ष 2019 की मतदाता सूची में मात्र 12 मतदाता थे, जबकि वर्तमान मतदाता सूची में बढ़कर 26 हो गये हैं। वहीं साहेबगंज जिले के बोरियो विधानसभा में मंडरो प्रखंड के लालमाटी गांव में एक भी मुस्लिम का घर नहीं है, परंतु वहां के मतदाता सूची में दर्जनों मुस्लिम मतदाता शामिल है और तेलियागढ़ी बूथ पर उनके मतदान करने की बात कही गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि साहेबगंज जिला में ऐसा भी मामला सामने आया है कि 15 वर्ष के मतदाता को पिता बताया जा रहा है और उसी मतदाता को 30 वर्ष की आयु में दादा बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे भी मामला सामने आया है कि पिता और पुत्र की आयु में मात्र 2-3 वर्ष का अंतर है।

ज्ञापन में कहा गया है कि 25 अगस्त, 2026 को गोड्डा विधानसभा के बसंतराय प्रखंड में बूथ संख्या 9 एवं 38 के बीएलए-2 द्वारा प्रस्तुत फार्म-7 लेने से बीएलओ ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया। भारतीय जनता पार्टी के बीएलए-1 की ओर से इसकी मौ-खिक सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिका-री, गोड्डा को दी, परंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

श्रावणी मेला के 28 वें दिन तड़के सुबह से बाबा मंदिर में जलार्पण शुरू

देवघर, (एजेंसी) : श्रावणी मेला के 28 वें दिन बुधवार को बाबा वैद्यनाथ मंदिर में तडके सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कांवरियों की कतार और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बाबा मंदिर के कपाट सुबह 4.43 बजे खोले गए, जिसके बाद विधिवत जलार्पण शुरू हुआ। भोर की पहली किरण के साथ ही पूरा मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र ह्यबोल-बमह्ल और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर देवघर पहुंचे हजारों कांवरियों ने कतारबद्ध होकर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अहले सुबह से ही वरीय अधिकारी रूट लाइनिंग से लेकर मंदिर परिसर तक व्यवस्था की निगरानी करते नजर आए। कांवरियों के लिए पेयजल, स्वास्थ्य सेवा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एक माह तक चलने वाले विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला की पूर्णाहुति में महज 24 घंटे शेष हैं। 28 अगस्त को पूर्णिमा के अवसर पर श्रावणी मेला का समापन होगा। हालांकि, मेला समाप्त होने के बाद भी बाबा बैद्यनाथ की नगरी में श्रद्धालुओं का आना-जाना जारी रहेगा और भादो माह में एक बार फिर भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है।पूर्व के अनुभवों के अनुसार भादो माह में स्पर्श पूजा की शुरूआत होने की संभावना को लेकर भी श्रद्धालुओं में उत्साह है। ऐसे में आने वाले दिनों में बाबा बैद्यनाथ के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

श्रावणी मेला के दौरान जिला प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई गई कई सुविधाओं को भादो माह में भी जारी रखने की तैयारी है, ताकि बाबा नगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सुरक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य और यातायात व्यवस्था पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी।पूर्णिमा के अलावा जन्माष्टमी के अवसर पर भी बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल देवघर पहुंचते हैं और बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं।श्रावणी मेला अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है, लेकिन बाबाधाम में आस्था की धारा भादो माह में भी निरंतर बहती रहेगी।

वाहन चोरी गिरोह का खुलासा, चार बाइक और भराठी बंदूक के साथ एक गिरफ्तार

चतरा, 26 अगस्त (हि.स.)। वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सिमरिया थाना क्षेत्र के कासितातू गांव में छापेमारी कर पुलिस ने चोरी की चार बाइक और एक भराठी बंदूक बरामद करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कासितातू गांव निवासी जेठू गंझू के पुत्र मुकेश गंझू के रूप में हुई है।एसपी अनिमेष नैथानी ने बुधवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कासितातू गांव में मुकेश गंझू के पास चोरी की बाइक रखी गई हैं। सूचना के सत्यापन के बाद सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहब के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। टीम में सिमरिया थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।छापेमारी के दौरान पुलिस ने मुकेश गंझू को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके कब्जे से चार चोरी की बाइक और एक भराठी बंदूक बरामद हुई। पूछताछ में पुलिस को वाहन चोरी गिरोह के नेटवर्क के संबंध में अहम जानकारी मिली है। एसपी के अनुसार गिरोह में लातेहार और रांची जिले के कुछ अपराधियों के भी शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।एसपी ने बताया कि गिरोह के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से बाइक चोरी करने के बाद उन्हें दूसरे जिलों में ले जाकर खपाते थे। बरामद बाइक को भी बिहार में खपाने की तैयारी थी। पुलिस अब बरामद बाइकों के वास्तविक मालिकों और उनके चोरी होने की घटनाओं का पता लगाने के साथ गिरोह की ओर से अब तक चोरी किए गए अन्य वाहनों की जानकारी जुटा रही है।

ब्रह्माकुमारी संस्था में मनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति दिवस

रांची, (एजेंसी) : ब्रह्माकुमारी संस्था के कांके-पिठोरिया, बाडू नवा टोली सेवाकेंद्र में संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका मीठी प्यारी प्रकाशमणि दादी जी का बुधवार को 19वां पुण्य स्मृति दिवस (विश्व बंधुत्व दिवस) श्रद्धा और भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन माउंट आबू स्थित संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय की तर्ज पर किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पिठोरिया पंचायत की मुखिया मुन्नी मुंडा और समाजसेवी साबी देवी शामिल हुईं।

अतिथियों सहित ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने दादी प्रकाशमणि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र की संचालिका बीके राजमती ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी का जीवन निस्वार्थ सेवा, असीम स्नेह, शांति और विश्व बंधुत्व की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण रहा। कार्यक्रम के समापन पर जरूरतमंदों के बीच भोजन सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में लीला देवी, उर्मिला देवी, बिरसमनी देवी, सोना मती देवी, गंगा देवी, रीता देवी, सुमन देवी, सुरेश, चंदन, अरविंद, मुन्नी मुंडा, साबी देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

भारत विकास परिषद रामगढ़ की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, 51 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग का संकल्प

रामगढ़, (एजेंसी) :थाना चौक स्थित रोटरी हॉल के सभागार में बुधवार को भारत विकास परिषद रामगढ़ का छठा पदस्थापना एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निवृत्ति गुप्ता ने गणेश वंदना के साथ की। मंच संचालन उमेश राजगढ़िया ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि दक्षिण झा-रखंड प्रांत के महासचिव अरुण कुमार मिश्रा और प्रांतीय संपर्क सचिव नवीन पाठक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान प्रांतीय महासचिव अरुण कुमार मिश्रा ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। इसके बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

नई कार्यकारिणी में अनिल कुमार गोयल को अध्यक्ष, सचिन अग्रवाल, मनमोहन सिंह लांबा और आलोक रतन चौधरी को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं प्रदीप कुमार शर्मा को सचिव, आलोक अग्रवाल को सह सचिव, निलेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष और प्रकाश अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

सलाहकार समिति में गोविंद मेवाड़, उमेश राजगढ़िया और अनमोल सिंह को शामिल किया गया, जबकि अमित साहू को मीडिया प्रभारी बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में भरत गोयल, विकास अग्रवाल, रोहित पंसारी और आयुष अग्रवाल को शामिल किया गया।

51 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग का संकल्प

पदभार ग्रहण करने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल ने सामाजिक सेवा से जुड़े कई महत्वपूर्ण संकल्पों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि परिषद की ओर से कम से कम 51 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग और आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया।उन्होंने शहर में कम से कम 101 कल्पवृक्ष के पौधे लगाने और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक संगठन नहीं है, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम है।

पांच दिन में विधायक जयराम महतो की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर में आंदोलन करेगा झारखंड पुलिस एसोसिएशन

रांची, (एजेंसी) : धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ कथित फोन पर गाली-गलौज और धमकी देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक जयराम महतो समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले में शीघ्र कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन की धनबाद शाखा ने घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करने और ड्यूटी पर नहीं लौटने के निर्णय के लिए केंद्रीय संगठन से अनुमति मांगी है। एसोसिएशन ने कहा है कि पांच दिन के भीतर विधायक जयराम महतो और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्य की सभी शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने बताया कि 25 अगस्त को धनबाद पुलिस एसोसिएशन, शाखा-धनबाद के पत्र के माध्यम से उन्हें घटना की जानकारी मिली। एसोसिएशन के अनुसार, 21 अगस्त की रात बरव-ाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को जयराम महतो ने फोन किया और कथित तौर पर धमकी दी कि उनका तबादला कराने के बावजूद राज्य के जिस थाने में वह रहेंगे, वहां उनकी नौकरी बर्बाद कर दी जाएगी।

एसोसिएशन का आरोप है कि फोन पर कथित धमकी के बाद देर रात विधायक अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचे। इस दौरान थाना प्रभारी की टेबल पर रखे सामान को इधर-उधर किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस एसोसिएशन ने इसे पुलिस पदाधिका-री के सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया है।

बिजुलिया दुर्गा पूजा समिति की कमान पुरानी कमेटी को, भव्य आयोजन का लिया संकल्प

रामगढ़, (एजेंसी) : श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, बिजुलिया की बैठक बुधवार को शिव हनुमान जलाराम मंदिर परिसर में हुई। बैठक की अध्यक्षता बिट्टू सिंह चंडोक ने की, जबकि संचालन रंजन फौजी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष भी पुरानी कमेटी को ही दुर्गा पूजा आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया।

समिति के पदाधिकारियों में विशाल भदानी को अध्यक्ष, अजीत गुप्ता को सचिव और तुलेश सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं आजाद सिंह, अमर सिंह, रंजन फौजी, अनिल शर्मा और प्रदीप सिंह को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई।बैठक में सदस्यों ने कहा कि इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का आयोजन भव्य और आकर्षक तरीके से किया जाएगा। समिति ने इस बार पूजा आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया है। आयोजन को लेकर तैयारियों को जल्द गति देने पर भी चर्चा हुई।सदस्यों ने बताया कि समिति के अन्य नए पदाधिकारियों की घोषणा भी सभी की सहमति से जल्द की जाएगी। इसके बाद पूजा की तैयारियों को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां तय की जाएंगी।

ट्रूथ पथं के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

चौक- चौराहों में आज आयोजित होगा राखी फॉर रोड सेफ्टी कार्यक्रम

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, धनबाद द्वारा 27 अगस्त को राखी फॉर रोड सेफ्टी का आयोजन किया जा रहा है। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर आयोजित इस अभियान का मुख्य ध्येय बहन का प्यार, सड़क पर सुरक्षा का उपहार है। इसके तहत विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं जिले के प्रमुख चौराहों पर उपस्थित रहकर वाहन चालकों को राखी बांधेंगी और उनसे हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने व सुरक्षित वाहन चलाने का वचन लेंगी। यह जागरूकता अभियान जिले के निम्नलिखित 4 प्रमुख स्थानों पर निर्धारित समय अनुसार संचालित किया जाएगाः इंदिरा चौक झ 10:00 से 11:00 बलियापुर चौक- 11:00 से 12:00 टुंडी मोड़ (सुभाष चौक) झ 12:30 से 01:30 निरसा चौक- 02:00 से 03:00 तक।

पंख एक नई दिशा संस्था ने अनाथ बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन का पावन पर्व पंख एक नई दिशा संस्था ने बुधवार को हिन्दू मिशन, हीरापुर के अनाथ बच्चों के साथ हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर संस्था की बहनों ने बच्चों की कलाई पर प्रेम और स्नेह से राखी बांधी तथा उन्हें मिठाइयां खिलाकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखकर पूरा वातावरण भावनाओं और अपनत्व से भर गया। संस्था का उद्देश्य केवल पर्व मनाना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों के बीच खुशियां बांटना और उन्हें परिवार जैसा स्नेह एवं अपनापन महसूस कराना भी है। इस अवसर पर सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कामना की। कार्यक्रम में पंख एक नई दिशा संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता, सुषमा प्रसाद, नम्रता गुप्ता, सुधा गुप्ता, गायत्री गुप्ता, सोनिया सेठी एवं ज्योति साव उपस्थित रहीं। पंख एक नई दिशा की यह पहल समाज में प्रेम, सेवा, अपनत्व और मानवीय संवेदनाओं का सुंदर संदेश देती है। संस्था आगे भी जरूरतमंद बच्चों एवं लोगों के बीच खुशियां बांटने और समाजसेवा के कार्यों में निरंतर समर्पित रहने का संकल्प रखती है।

सिंबायोसिस किड्स स्कूल में संस्कृत दिवस एवं रक्षाबंधन उत्सव

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। सिंबायोसिस किड्स स्कूल, बरवाअड्डा में बुधवार को संस्कृत दिवस एवं रक्षाबंधन मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक आशीष कुमार मंडल, प्राचार्या एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने स्वागतम नृत्य से अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा संस्थान, धनबाद के वरिष्ठ संरक्षक राम नाथ मिश्रा, संरक्षक राज किशोर सिंह, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, वरिष्ठ सदस्य अवधेश कुमार द्विवेदी एवं अनिल कुमार उपस्थित रहे। वहीं, ह्ललेंस उत्सव-2026ह्व राज्यस्तरीय फोटो प्रतियोगिता में धनबाद का नाम रोशन करने वाले वरिष्ठ फोटोजर्नलिस्ट चंदन पॉल एवं फोटोजर्नलिस्ट सुभाजित घोषाल भी उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। बच्चों ने संस्कृत कविताओं, क्षमा मंत्र तथा श्रीमद्भगवद्गीता का सुंदर पाठ प्रस्तुत किया। यूकेजी के बच्चों ने रक्षा का सूत्र–देश के वीरह्व नाटक के माध्यम से संदेश दिया कि सैनिक भी पूरे राष्ट्र के रक्षक हैं। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब बच्चों ने पूर्व सैनिकों की कलाई पर राखी बांधकर उनके राष्ट्रसेवा एवं त्याग को नमन किया। पूर्व सैनिकों ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। संस्था के संरक्षक राम नाथ मिश्रा ने बच्चों की प्रस्तुतियों और विशेषकर संस्कृत में गीता पाठ की सराहना की। उन्होंने विद्यालय द्वारा आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों से बच्चों को जोड़ने के प्रयास को प्रशंसनीय बताया। प्राचार्या ने कहा कि रक्षा केवल एक धागा नहीं, बल्कि परिवार, समाज, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प है। उन्होंने संस्कृत को भारतीय ज्ञान- परंपरा की अमूल्य धरोहर बताते हुए बच्चों को संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। मंच संचालन विद्यालय की छात्रा रूही कुमारी एवं पीहू कुमारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संतोष सर ने किया। कार्यक्रम में ह्लसंस्कृत से संस्कार, राखी से रिश्तों का सम्मान, सैनिकों से राष्ट्रसेवा और कला से नई दृष्टिह्व का संदेश दिया गया।

राजगंज सड़क हादसा में रहमतगंज के दो युवकों की मौके पर मौत

धनबाद : राजगंज थाना क्षेत्र के चालीबंगला के समीप नेशनल हाईवे- 19 पर बुधवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पांडरपाला-रहमतगंज निवासी ओसामा और सैजान तबरेज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक बुधवार को बाइक से पांडरपाला स्थित अपने घर से निकले थे। इसी दौरान चालीबंगला के पास एनएच-19 पर उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही राजगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाला जा रहा है। राजगंज थाना क्षेत्र में लगातार हो रहीं सड़क दुघर्टना से लोग भयभीत हैं।

केंद्रीय पेंशन योजनाओं के बकाये का शीघ्र होगा भुगतान

राज्य प्रायोजित पेंशन का अगस्त 2026 तक भुगतान पूर्ण

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में उपायुक्त के आवासीय कार्यालय में सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन एवं आर्थिक सहायता योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन, एचआइवी/एड्स पीड़ित सहायता पेंशन तथा स्वामी विवेकानन्द निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के लाभुकों को अगस्त 2026 तक का भुगतान पूर्ण कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कुल 3,71,482 लाभुकों को जुलाई 2026 तक का भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। जबकि केन्द्र प्रायोजित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन (46,829 लाभुक) एवं विधवा पेंशन (17,046 लाभुक) का भुगतान मार्च 2026 तक तथा दिव्यांग पेंशन (2,605 लाभुक) का दिसंबर 2025 तक किया गया था। उन्होंने बताया कि केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का भुगतान अब एस.एन.ए. स्पर्श के माध्यम से किया जाना है। वर्तमान में विभाग द्वारा एन.एस.ए.पी. पोर्टल पर अपग्रेडेशन कार्य प्रगति पर है, जो एक सप्ताह के भीतर पूर्ण हो जाएगा। पोर्टल कार्य पूरा होते ही जिला स्तर से जनवरी 2026 से अब तक के सभी लंबित बकाये पेंशन का भुगतान सीधे लाभुकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से शीघ्र कर दिया जाएगा। बैठक में सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी दिलीप कुमार महतो, सहायक प्रशासी पदाधिकारी राजकुमार सिंह, सहायक प्रियंका बाला, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एसएनएमएमसीएच में बड़ी लापरवाही,एचआईवी पॉजिटिव प्रसूता का बिना सेफ्टी किट हुआ सिजेरियन, चार अन्य प्रसूताओं का भी हुआ ऑपरेशन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।धनबाद के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएनएमएमसीएच के स्त्री एवं प्रसव रोग विभाग में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक प्रसूता की शुरूआती एचआईवी जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद बिना विशेष सेफ्टी किट के उसका सिजेरियन ऑपरेशन कर दिया गया। इतना ही नहीं, उसी ऑपरेशन थिएटर में बाद में चार अन्य प्रसूताओं का भी ऑपरेशन किया गया। लेकिन बाद में दोबारा जांच कराने पर संबंधित प्रसूता की एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आने से अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टरों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएनएमएमसीएच अधीक्षक ने जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही है।जानकारी के मुताबिक, बैंक मोड़ इलाके की रहने वाली एक प्रसूता को प्रसव पीड़ा के बाद पहले सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां सिजेरियन डिलीवरी की संभावना को देखते हुए विभिन्न जांच के साथ एचआईवी टेस्ट कराया गया, जिसमें महिला के एचआईवी पॉजिटिव होने की बात सामने आई।बताया जा रहा है कि सदर अस्पताल में आवश्यक सेफ्टी किट उपलब्ध नहीं होने के कारण महिला को सिजेरियन डिलीवरी के लिए एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया।एसएनएमएमसीएच पहुंचने के बाद महिला को गायनी विभाग में भर्ती किया गया। ऑपरेशन से पहले क्लिनिकल पैथोलॉजी लैब में दोबारा एचआईवी जांच कराई गई, जिसमें रिपोर्ट निगेटिव बताई गई। इसी रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टरों ने बिना विशेष सेफ्टी किट के महिला का सिजेरियन ऑपरेशन कर दिया।

बताया जा रहा है कि इसके बाद उसी ओटी में चार अन्य प्रसूताओं का भी ऑपरेशन किया गया।मामला उस समय गंभीर हो गया जब बाद में प्रसूता की फिर से एचआईवी जांच कराई गई। इस बार आईसीटीसी में उपलब्ध किट से की गई जांच में महिला की रिपोर्ट एचआईवी पॉजिटिव आई। रिपोर्ट सामने आते ही अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।इसके बाद एहतियातन प्रसूता के पति, सास-ससुर और माता-पिता के भी सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं।

संस्कृत दिवस व रक्षाबंधन पर बच्चों ने पूर्व सैनिकों को बांधी राखी

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः संस्कृत दिवस एवं रक्षाबंधन उत्सव के अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओ ने देश की सेवा कर चुके पूर्व सैनिकों को राखी बांधकर और आरती उतारकर उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य एवं कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे।समारोह में पूर्व सैनिक रामनाथ मिश्रा, राज किशोर सिंह, चंद्रशेखर सिंह, अवधेश कुमार द्विवेदी और अनिल कुमार उपस्थित रहे।इस अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं ने संस्कृत भाषा में कविता पाठ, भाषण, स्वागत नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने ह्यरक्षा का सूत्र–देश के वीरह्व शीर्षक देशभक्ति नाटक का मंचन कर सैनिकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्रसेवा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

रक्षाबंधन समारोह के दौरान छात्राओं ने पूर्व सैनिकों की कलाई पर राखी बांधी और आरती उतारी। परिषद के संरक्षक रामनाथ मिश्रा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में सैनिकों की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और वीर जवानों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। नेचर श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धनबाद के फोटो पत्रकार चंदन पाल और फेस्टिवल फोटो कांटेस्ट में प्रथम स्थान हासिल करने वाले सुभाजित कुशल को विद्यालय परिवार की ओर से मोमेंटो एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मेधावी छात्राओं को मिला संगीता नन्दन प्रोत्साहन पुरस्कार

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अभया सुंदरी कन्या उच्च विद्यालय हीरापुर की मेधावी छात्राओं को संगीता नन्दन प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया। 9वीं और 10 वीं की परीक्षा में पहले व दूसरे स्थान पर रहने वाली छात्राओं को यह पुरस्कार हर साल 26 अगस्त को दिया जाता है। बुधवार को स्कूल में आयोजित समारोह में मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। संगीता नन्दन धनबाद के मूर्धन्य शिक्षाविद स्वर्गीय डॉ एसएन राणा की पुत्री थीं। उनके पति राकेश नन्दन रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल हैं। पुत्र प्रियांक नंदन लंदन में कार्यरत हैं। मां संगीता नन्दन की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के खास तौर पर लंदन से धनबाद आए हैं। उन्होंने कहा कि मां अभया सुंदरी की छात्रा रहीं हैं। उन्हें स्कूल से बहुत लगाव था। मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जाना उनके जीवन का एक अमूल्य पल है। यह सम्मान व पुरस्कार का उद्देश्य छात्राओं को बेहतर करने के लिए प्रेरित करने का एक छोटा सा प्रयास है। इसमें प्रथम व द्वितीय स्थान लाने वाली 10वीं व 11वीं की छात्राओं को पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष 9 वीं की छात्रा तनुश्री को दस हजार तथा प्रियंका कुमारी को साढ़े सात हजार रुपए की राशि दी गई। वहीं 10 वीं की छात्रा अंशु कुमारी और निधि को साढ़े सात हजार रुपए दिए गए। साथ ही साथ सर्टिफिकेट भी दिया गया। मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल राकेश नन्दन, संजय राणा, अनूप राणा, रिंकू राणा, संजीव राणा, स्कूल की शिक्षिकाएं तथा अन्य गण्यमान्य मौजूद थे।

पहला कदम ने राज्य में हासिल किया द्वितीय स्थान

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बोकारो के सेक्टर-5डी स्थित आशालता विकलांग स्कूल में मंगलवार को एक्सेसिबल एसटीईएम साइंस एग्जीबिशन 2026 का आयोजन किया गया। समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड की एस टीईएम शिक्षा पहल के तहत आयोजित इस विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग और नवाचार प्रस्तुत किए।नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पहला कदम विशेष स्कूल, धनबाद के विद्यार्थियों ने भी प्रदर्शनी में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। अपने शानदार वैज्ञानिक मॉडल और प्रस्तुति के दम पर पहला कदम के विशेष बच्चों ने पूरे राज्य में द्वितीय स्थान हासिल कर धनबाद का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीएसएल के महाप्रबंधक/सीएसआर पार्थ चक्रवर्ती तथा विशिष्ट अतिथि सहायक महाप्रबंधक/सीएसआर रिचा कुणाल उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक मॉडल और उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।पहला कदम की सचिव अनिता अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि विशेष बच्चों के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है। बच्चों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से साबित किया है कि अवसर और उचित मार्गदर्शन मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी एसटीईएम गतिविधियां बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं।उन्होंने इस सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। साथ ही कहा कि पहला कदम आगे भी बच्चों को ऐसी प्रतियोगिताओं और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए लगातार प्रोत्साहित करता रहेगा। कार्यक्रम में समर्थनम ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम प्रबंधक मंजूनाथ पी. और परियोजना समन्वयक हृदय रंजन पॉल सहित विभिन्न स्कूलों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। प्रदर्शनी में पहला कदम के बच्चों की शानदार प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

बलियापुर में मिलादुन्नबी के मौके पर जलसा का आयोजन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

बलियापुर : क्षेत्र में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूसे मोहम्मदिया शांति पूर्वक तरीके से संपन्न हो गया। प्रखंड के रखितपुर,आमझर, बाघमारा,लालाडीह,ब्रह्माणडीहा, परघा,सिंगियाटांड,और भिखराजपुर के खतीबो ईमाम की अगवाई में निकाला गया। जिसमें सभी गांव के बूढ़े बुजुर्ग,बच्चे, नवजवानों ने सैकड़ों की संख्या में भाग लिया। रसूल की आमद,आका की आमद नारा ए तकबीर नारा ए रिसालत का नारा लगाते हुए लोग जुलूस में पैदल चलते हुए बलियापुर चौक पहुंचे। बलियापुर चौक पर जलसा आयोजित किया गया। मौलाना तस्लीम रजा, मोहर्रम अली, मौलाना कासिम,हाफीज मुस्तकीम, हाफीज मजहर, हाफीज सद्दाम हुसैन, मौलाना अली हुसैन, हाफीज जियाउल, हाफीज नईमुद्दीन, मौलवी इदरीस,सकील अंसारी, इसराइल अंसारी, हकीमुद्दीन अंसारी, आफताब, जावेद, मजीद खान,कमाल, सरफुद्दीन, मुस्लिम खान,निजाम, रमजान अंसारी आदि मौजूद थे।

मईयां सम्मान योजना से दर्जनों महिलाओं का नाम कटा, पंचायत सचिवालय पहुंचीं लाभुक

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः।धनबाद जिले के बाघमारा प्रखंड अंतर्गत बौआकला उत्तर पंचायत में मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से दर्जनों महिलाओं का नाम हटाए जाने का मामला सामने आया है। भौतिक सत्यापन के बाद सूची से नाम काटे जाने की जानकारी मिलते ही दर्जनों महिलाएं पंचायत सचिवालय पहुंच गईं और अपना आक्रोश जताया। महिलाओं का आरोप है कि वे योजना की पात्र लाभुक हैं, इसके बावजूद गलत तरीके से उनका नाम सूची से हटा दिया गया है।महिलाओं का कहना है कि उन्हें पहले मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना का लाभ मिल रहा था। लेकिन हाल ही में हुए भौतिक सत्यापन के बाद अचानक उनका नाम लाभुकों की सूची से काट दिया गया।महिलाओं ने आरोप लगाया कि वे सभी योजना की पात्र लाभुक हैं और उनका नाम बिना उचित कारण के हटाया गया है। योजना का लाभ दोबारा शुरू कराने के लिए वे पिछले करीब तीन सप्ताह से पंचायत सचिवालय के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है।वहीं बौआकला उत्तर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि लक्ष्मीकांत रजक ने भी मामले की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से योग्य लाभुकों का नाम हटाए जाने के कारण दर्जनों महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से पूरे मामले की सही तरीके से जांच कर वंचित और पात्र महिलाओं का नाम दोबारा योजना की सूची में जोड़ने की मांग की है।

धनबाद में जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस, भाईचारे और एकता का संदेश

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बुधवार को पूरे उत्साह के साथ निकाला गया। यह इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जन्म दिवस के रूप में मनाया गया। जुलूस में शामिल सभी लोग हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर सलातो सलाम पढ़ रहे थे। या नबी आप पर लाखों सलाम ताजदार ए मदीना आप पर लाखों सलाम जुलूस में शामिल सभी लोग कुर्ता पजामा और सर पर टोपी इमामा बाधे हुए नात पाक पढते हुए चल रहे थे। लोगों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए पैगंबर साहब की शान में कसीदे पेश किए और धार्मिक एकता का संदेश दिया। शहर की मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जिससे पूरा माहौल और अधिक भव्य नजर आया। पूरे आयोजन में भाईचारा, शांति और सौहार्द का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला। बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार के दिशानिर्देश पर बाघमारा रजा जामा मस्जिद कमिटी के जेरे निगरानी में मस्जिद के इमाम मो समीर इदरीसी और मो अजीन, मो दिलकश रजा के रहबरी में जुलूस मोहम्मदी बाघमारा हटिया टांड़ से निकाला गया। जुलूस बाघमारा रथटांड़ अंसारी मुहल्ला , जयरामडीह के रास्ते तेलोटाड़ होते हुए डुमरा मोड से वापस होकर तेलोटांड होते हुए बाघमारा बाजार, अंबेडकर चौक लुतीपहाडी आदि भ्रमण किया। जुलूस में सभी स्थान पर शिरनी सर्बत एवं लजीज लंगर का इंतजाम किया गया था। इस दौरान जय नबी और सलाम या रसूल का नारा गूंजा। जुलूस में बाघमारा रथटॉड हटियाटांड अंसारी मुहल्ला खान मुहल्ला तेलोटांड़ डुमरा हरिणा भीमकनाली माटीगढ़ा के तमाम मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ- साथ बाघमारा मस्जिद कमिटी के सदर मो परवेज आलम सिकेट्री तनवीर आलम, फैयाज खान, जफर आलम ,सनाव्वर सिद्दीकी ,असरफ आलम ,मेराज खान, ललन अंसारी, पपन अंसारी, बंटी अंसारी , सुलेमान अंसारी, सहबाज खान, मो हुसैन, मो मिराज, बाबी खान , मो सफीक, मो इम्तियाज, खुर्शीद अंसारी , इमरान अंसारी, जैनुल शेख , मुन्ना अंसारी , छोटू सिद्दीकी, रौनक सिद्दीकी, जुम्मन अंसारी, मोहम्मद शमशेर, मंसुर टेलर, मो सिकंदर , मो आसिफ , इसरार टेलर, आसिफ अली, आफताब आलम, एजाज आलम सहित पुजसस के सदस्य भी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

बिहार में छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ सम्राट चौधरी को भी पत्र लिखें बाबूलाल : राकेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर हमला करते हुए कहा कि अगर छात्रों के मुद्दे पर पत्र लिखना ही उनकी नैतिक जिम्मेदारी है, तो वे अपनी नैतिकता का परिचय बिहार में भी दें। बिहार में अपने अधिकार और मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल पर बाबूलाल मरांडी को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी पत्र लिखना चाहिए।

राकेश सिन्हा ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा नेताओं की राजनीति में सुविधा के हिसाब से नैतिकता बदल जाती है। झारखंड में छात्रों के प्रति चिंता और बिहार में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर चुप्पी–यह दोहरा चरित्र आखिर क्यों।

उन्होंने कहा कि यदि बाबूलाल मरांडी वास्तव में छात्रों के हितैषी हैं तो उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बिहार सरकार से भी जवाब मांगना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना छात्रों का अधिकार है। सरकार का दायित्व है कि वह छात्रों की बात सुने, संवाद करे और उनकी समस्याओं का समाधान निकाले। लाठी और वाटर कैनन किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली प्रतिक्रिया नहीं हो सकती।

भूलने को सिर्फ उम्र का असर न मानें, डिमेंशिया के इन पांच शुरूआती संकेतों को पहचानें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः उम्र बढ़ने के साथ कभी-कभार चीजें भूलना सामान्य हो सकता है, लेकिन जब याददाश्त से जुड़े बदलाव बार-बार होने लगें और रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगें, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। एससीएआरएफ एनजीओ की सह-संस्थापक और मनोचिकित्सक डॉ. थारा रंगास्वामी के अनुसार, भारत में 88 लाख से अधिक लोग डिमेंशिया के साथ जी रहे हैं और शुरूआती संकेतों को अक्सर सामान्य उम्र बढ़ने का हिस्सा समझ लिया जाता है। एक ही सवाल या बात बार-बार दोहराना, चश्मा या चाबी जैसी चीजों को असामान्य जगह पर रख देना, बातचीत में सही शब्द खोजने में परेशानी होना, वर्षों से किए जा रहे परिचित कामों में अचानक कठिनाई होना तथा तारीख या परिचित जगहों को लेकर भ्रमित होना ऐसे प्रमुख संकेत हैं, जिन पर परिवार को ध्यान देना चाहिए। उदाहरण के तौर पर कोई व्यक्ति सामान्य चीज का नाम याद न आने पर उसे केवल उसके काम से बताने लगे, खर्च का हिसाब रखने या बिल भरने में अचानक परेशानी हो अथवा परिचित बाजार से लौटते समय रास्ता भूल जाए, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। हालांकि इन संकेतों का मतलब यह जरूरी नहीं है कि व्यक्ति को डिमेंशिया ही है, लेकिन लगातार ऐसे बदलाव दिखाई देने पर चिकित्सकीय जांच जरूरी हो सकती है। न्यूरोलॉजिस्ट, वयोवृद्ध रोग विशेषज्ञ या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जैसे विशेषज्ञ स्थिति का आकलन कर सही कारण का पता लगाने और आगे की देखभाल के बारे में मार्गदर्शन दे सकते हैं। डॉ. थारा रंगास्वामी ने कहा कि शुरूआती मानसिक बदलावों को केवल भूलने की आदत मानने के बजाय चिकित्सकीय स्थिति के रूप में समझना जरूरी है, ताकि परिवार का नजरिया झुंझलाहट से सहानुभूति की ओर बदले और समय पर मदद ली जा सके। समय पर पहचान से व्यक्ति और परिवार को लक्षणों को बेहतर तरीके से संभालने, आवश्यक सहायता लेने और भविष्य की देखभाल की योजना बनाने में भी मदद मिल सकती है।

क्राइस्ट यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी मंत्री शिल्पी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,ः मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की 27 अगस्त 2026 को बेंगलुरु स्थित क्राइस्ट यूनिवर्सिटी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी।

विश्वविद्यालय के एल्यूमिनी रिलेशन्स सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम का विषय फ्रॉम एजुकेशन टू इंपैक्ट : यूथ लीडरशीप, इंटरप्रीन्योरशीप एंड इंक्लूआसीव ग्रोथ रखा गया है।

यह जानकारी क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की ओर से बुधवार को जारी पोस्टर के माध्यम से दी गई। बताया गया कि कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कृषि, नवाचार, युवा नेतृत्व और समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चा होगी। इसमें विद्यार्थियों को वर्तमान समय में शिक्षा और कौशल के साथ सामाजिक एवं आर्थिक विकास में युवाओं की भूमिका से अवगत कराया जाएगा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की विद्यार्थियों को युवाओं की भूमिका, उद्यमिता के बढ़ते अवसरों, कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संभावनाओं तथा सार्वजनिक जीवन में युवा नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार रखेंगी।

कार्यक्रम में विशेष रूप से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े उभरते अवसरों, नवाचार और युवाओं के लिए उद्यमिता की संभावनाओं पर चर्चा होगी।

अधिकारों की आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति भाजपा की नजर में संदेहास्पद : विनोद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और भाजपा पर तीखा हमला बोला है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर में आदिवासी-मूलवासी, गरीब और अपने अधिकारों की आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति संदेह की नजर से देखा जा रहा है। सवाल है कि क्या भाजपा की नजर में हर झारखंडी और केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति दिमागी नक्सल है।विनोद पांडेय ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आंकड़े गिनाने से पहले उन गांवों का दर्द समझना चाहिए, जिनकी जमीन खनन के लिए गई, जंगल उजड़े और पीढ़ियां विस्थापन झेलती रहीं।

उन्होंने रघुवर दास के एमएमडीआर संशोधन अधिनियम संबंधी बयान पर कहा कि 11 हजार करोड़ रुपये और करों के प्रतिशत की चर्चा से मूल सवाल नहीं छिपाया जा सकता। यदि खनिज से राज्य को लाभ मिल रहा है तो प्रभावित गांवों में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और रोजगार की कमी क्यों है। पांडेय ने कहा कि झामुमो खनन या औद्योगिक विकास का विरोधी नहीं है। उसकी मांग जमीन का सम्मान, जंगल और आदिवासी अधिकारों की रक्षा, स्थानीय युवाओं को रोजगार तथा खनिज संपदा में झारखंडी हित की प्राथमिकता है।

प्रोजेक्ट भवन और सदर अस्पताल में रोक, बाबूलाल बोले- पत्रकारों से क्यों डर रही सरकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर पत्रकारों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि राज्य में एक के बाद एक सरकारी संस्थानों में पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाई जा रही है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सबसे पहले रिम्स में पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाई गई। इसके बाद प्रोजेक्ट भवन में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक लगी। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को सील कर पत्रकारों की पहुंच भी रोक दी गई। अब सदर अस्पताल में भी पत्रकारों की एंट्री पर प्रतिबंध लगाए जाने की खबर है।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अब थाना और दूसरे सरकारी दफ्तरों में पत्रकारों की एंट्री की बारी है। मरांडी ने तंज कसते हुए कहा कि कैमरे की मौजूदगी में कई काम करने में दिक्कत होती है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार को समझना चाहिए कि पत्रकार सरकार के मेहमान नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रहरी हैं। पत्रकारों की एंट्री रोकने से सवाल नहीं रुकेंगे और कैमरे बंद करने से सच्चाई नहीं छिपेगी।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरह पत्रकारों की आवाज और पहुंच रोकना चाहती है, तो राज्य के सभी छोटे-बड़े पत्रकारों को एक साथ राज्य से बाहर करने का आदेश जारी कर देना चाहिए। फिर न पत्रकार रहेंगे, न सवाल होंगे और न कैमरे होंगे। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की इस नीति को लोकतंत्र और पत्रकारिता की स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय बताया है।

पेडों की डालियों की छंटाई के कारण रांची के कई इलाकों में 27 को रहेगी विद्युत आपूर्ति बाधित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, ओरमांझी के अंतर्गत बूटी फीडर में पेड़ की डालियों की छंटाई की जाएगी। इससे बूटी मोड़, सैनिक कॉलोनी, डुमरदग्गा, शिवाजीनगर, महावीर नगर, हनुमान नगर, बसंत विहार, बाल सुधार गृह सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार की सुबह 09 बजे से 11 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

इसके अलावा ओरमांझी 01 और 02 फीडर में पेड़ की टहनियों की छंटाई का कार्य दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इससे चिड़ियाखाना ओरमांझी के आस पास का क्षेत्र प्रभावित है।

इधर, शक्ति उप केंद्र, बुंडू के अंतर्गत आने वाले बुंडू फीडर और शक्ति उप केंद्र मुरपा के अंतर्गत आने वाले सलगाडीह फीडर के अंतर्गत सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पेड़ों की छंटाई के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

इससे बुंडू फीडर के टांगरटोली, उरांवटोली माझी टोली, नावाडीह टोली, पुराना बाजार टोली, फुलवार टोली, धुर्वा मोड., सालगाडीह फीडर - सालगाड़ीह, मरपा, सुमनडीह, पोराडीह जोजोहातु, कोटांग क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

इसके अलावा 33/11 केवी पॉवर हाऊस पानी टंकी के बूटी मोड़ फिडर में ब्रेकर और वीसीबी लगाने का कार्य सुबह 09 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। इससे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके बाद फीडर को बाईपास केबल से विद्युत

सप्लाई की जायेगी। ब्रेकर और वीसीबी लगाने का कार्य के कारण रांची के महावीर मेडिका, बूटी मोड़., जय प्रकाश नगर, पंचवटी पुरम क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

जमीन हड़पने की नीयत से देवर की गला दबाकर हत्या, मां-बेटा गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढवा,। जमीन के विवाद में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। गढवा जिले के डंडई थाना क्षेत्र के करके गांव स्थित यादव टोला में जमीन हड़पने की नीयत से भतीजे ने अपनी मां के साथ मिलकर सगे चाचा की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को मकई के खेत में फेंक दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुये आरोपित भतीजे और उसकी मां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बुधवार को एसडीपीओ दिलू लोहार ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि 24 अगस्त को पुलिस को मकई के खेत में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान रजिन्द्र यादव उर्फ बुगी के रूप में की। शव के सिर के पीछे और पैर में चोट के निशान मिले।पोस्टमार्टम के बाद मृतक के साला बिगन यादव के बयान पर डंडई थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। घटना के उद्भेदन के लिये एसपी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल गठित किया गया। जांच में मृतक का अपने बड़े भाई कन्हाई यादव, भतीजे मुन्नू यादव और भाभी मिला देवी के साथ जमीन को लेकर विवाद सामने आया।पुलिस ने 25 अगस्त को मृतक के 20 वर्षीय भतीजे मुन्नू यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार की। उसने बताया कि चाचा जमीन का बंटवारा किये बिना उसे बेच रहे थे। चाचा की दो बेटियां होने के कारण जमीन हड़पने की नीयत से उसने हत्या की और मां मिला देवी के सहयोग से शव को खेत में फेंक दिया।

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, चोरी की दस बाइक के साथ आठ आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । राजधानी रांची के धुर्वा थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक चोरी करने वाले एक गिरोह का खुलासा करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की 10 बाइक बरामद की है।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि गिरोह रांची और सीमावर्ती जिलों में सक्रिय था और साप्ताहिक बाजारों से मोटरसाइकिल चोरी कर उनके नंबर प्लेट बदलकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेचता था।

एसपी ने बताया कि धुर्वा थाना पुलिस सिठियो-धुर्वा मार्ग स्थित स्वर्णरेखा नदी पुल के पास करीब 2:30 बजे वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो

मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग पुलिस को देखकर बाइक घुमाकर सिठियो की ओर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने पीछा कर तीनों को पकड़ा। पूछताछ में बाइक चोरी की बात सामने आई, जिसके बाद पुलिस कड़ाई से पूछताछ शुरू की और उसके निशानदेही पर छापेमारी अभियान चलाया गया।

छापेमारी टीम ने चोरी के 10 बाइक बरामद किए और चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री में शामिल अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में भरत बैठा (26), सुनील करमाली (25), रोहित उरांव (22), रोहित कुमार मुंडा (28), प्रदीप उरांव, संजय गंझू (22), सरजू मुंडा और सुमित उरांव (29) शामिल हैं। इनमें कई आरोपितों के खिलाफ पहले भी वाहन चोरी और अन्य मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। छापेमारी टीम में डीएसपी नीरज कुमार झा, धुर्वा थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

आस्था के साथ ही पर्यटन के दृष्टिकोण से भी कमड़े आश्रम का विकास जरूरी : सेठ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि न केवल श्रद्धा और आस्था बल्कि पर्यटन की दृष्टिकोण से भी कमड़े बाबा आश्रम का विकास बहुत अधिक आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्य स्थान पर कमड़े बाबा से जुड़ी हुई सभी यादें, उनके ऊपर जमा दृढ़ विश्वास और उनकी आध्यात्मिक शक्ति न केवल आस्थावान श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करती है बल्कि इसके कारण जीवन में नई दृष्टि भी मिलती है।कमड़े बाबा आश्रम की चहारदीवारी के शिलान्यास समारोह में पूजन के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सेठ ने कहा कि केंद्र सरकार के पास कोष की किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है और न सिर्फ रांची बल्कि झारखंड के सभी आध्यात्मिक आस्था के केन्द्र और पर्यटन केन्द्रों का विकास एवं उन्नयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन यह बात अफसोस की बात है कि राज्य सरकार की ओर से केंद्र के पास समय पर ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं भेजा जाता है। इसका नतीजा आधिका-

रक रूप से केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय से न तो वैसी योजनाओं की स्वीकृति मिल पाती है और न ही उसके लिए राशि ही प्राप्त हो पाती है। इस मामले में उन्होंने टैगोर हिल के विकास का संदर्भ देते हुए कहा कि तब चार साल पहले राज्य की तत्कालीन पर्यटन सचिव से उन्होंने स्वयं बारंबार अनुरोध किया, लेकिन कोई प्रभाव नहीं हुआ और अंततः किसी दूसरे मद से राशि प्राप्त कर टैगोर झील का अपेक्षित विकास हुआ।सेठ ने कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट के साथ ही प्रमुख सदस्य मनोज प्रसाद से अनुरोध किया कि वे इस संदर्भ में विस्तृत योजना तैयार करने की जिम्मेदारी निजी स्तर पर लें और उसे कार्य रूप में परिणत करने और अपेक्षित योगदान देने में उन्हें खुशी होगी।

इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह ने कहा कि वे बरसों से इस आश्रम के विविध समारोहों में शामिल होते रहे हैं और आज इस बात की हार्दिक खुशी है कि इस आश्रम के विकास के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहा हैं।

रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक स्थल न सिर्फ रांची या झारखंड बल्कि देश की भी पहचान है।अपने वक्तव्य में कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मनोज प्रसाद ने कहा कि आश्रम के विकास के मार्ग में अनेक बाधाएं आईं लेकिन बाबा के आशीर्वाद से वह सभी दूर हो गई।

कार्यक्रम में कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, सचिव बिपिन नाथ, सदस्य बसंत जालान, राजेश कुमार, अमित रंजन प्रसाद, मनोज प्रसाद, पवन कुमार भट्ट, सुग्रीव सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रदीप वर्मा, कहा- सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी है

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा बुधवार को पहली बार पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह समेत पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर प्रदीप वर्मा ने सबसे पहले पार्टी के संस्थापक नेताओं में शामिल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रदीप वर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदीप वर्मा के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से पार्टी को मजबूती मिलेगी। राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिलना उनके संगठन के प्रति समर्पण और मेहनत का सम्मान है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया।

प्रदीप वर्मा ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वह उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य फोकस संगठन के विस्तार और उसे मजबूत करने पर रहेगा। वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे। प्रदीप वर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का आभार जताया।

मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, मुनेश्वर साहू, दीपक बंका, हेमंत दास, सूरज चौरसिया, अशोक बड़ाईक, केके गुप्ता, शोभा यादव, नीरज सिंह, सूरज शाहदेव, राहुल अवस्थी, रजनीश पांडे, रमेश सिंह, राकेश भास्कर, ललित ओझा, शशि भूषण भगत, पंकज सिन्हा, गोपाल सोनी, इंद्रजीत यादव सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ईद मिलाद-उन-नबी पर रांची में धूमधाम से निकला जुलूस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : ईद मिलाद-उन-नबी पर बुधवार को धूमधाम से रांची में जुलूस निकाला गया। एदार ए शरीया झारखंड की देखरेख में, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी की ओर से और उलेमा के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया।हिंदपीढ़ी, नाला रोड, खेत मोहल्ला, गोवाला टोली, गोदरी कुरैशी मोहल्ला, आजाद बस्ती, थड़पकना, मोरहाबादी, कांटा टोली, मौलाना आजाद कॉलोनी, गौस नगर, इलाही बख्श कॉलोनी, नेवरी सीरत नगर, बरियातू, भिट्ठा, कांके, बारूह, आजाद हिंद नगर, डोरंडा, रहमत कॉलोनी, मनी टोला, गौस नगर, दर्जी मोहल्ला, फिरदौस नगर सहित अन्य जगहों से जुलूस अपने-अपने तय रास्ते से होते हुए सुबह 11 बजे कर्बला चौक पहुंचे, जहां से मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी, मौलाना डॉ ताजुद्दीन रिजवी, मौलाना मसूद फरीदी, कारी अयूब रिजवी, मुफ्ती आकिब जावेद, अकीलुर रहमान, मो इसलाम, मो आफताब, परवेज ने संयुक्त रूप से जुलूस का नेतृत्व किया।जुलूस विक्रांत चौक, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन इस्लामिया होते हुए एकरा मस्जिद के पास रतन टॉकीज में सभा स्थल में तब्दील हो गया, जहां पर सभा जलसा को सम्बोधित करते हुवे एदार ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला ने कहा किमिलादे मुस्तफा मनाना और यौमे विलादत हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि और सल्लम का जन्म दिवस ईद मीला दुन्नबी के मौके से बड़ी धूमधाम से जुलूसे मुहम्मदी निकालना बरकत का जरिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोगों के लिए अल्लाह तआला की तरफ से सबसे बड़ी बरकत व नेमत यह है कि अल्लाह ने हजरत मुहम्मद मुस्तफा को इस दुनिया में भेजा। जिसके बारे में रब ने कहा कि नेमत और फजल के मिलने पर जश्न मनाओ, आज हमें पैगंबर की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

उर्सलाइन कॉन्वेंट में पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ नेत्रदान जागरूकता सेमिनार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : राष्ट्रीय 41 वें नेत्रदान पखवाड़ा के तहत बुधवार को उर्सलाइन कॉन्वेंट स्कूल, रांची में पेंटिंग प्रतियोगिता और नेत्रदान जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया।

25 अगस्त से आठ सितंबर 2026 तक चलने वाले नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में स्कूल की छात्राओं ने भाग लेकर अपनी कलाकृतियों के माध्यम से नेत्रदान का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एनएचएम के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने कहा कि मृत्यु के बाद

नेत्रदान के लिए परिजनों को प्रेरित करने और उन्हें भावनात्मक सहयोग देने के लिए अस्पतालों में प्रशिक्षित ग्रीफ काउंसलर्स एवं आई डोनेशन कोऑर्डिनेटर्स की तैनाती को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मृत्यु के चार से छह घंटे के भीतर कॉर्निया प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन और त्वरित प्रतिक्रिया टीम नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ भारती कश्यप ने कहा कि जानकारी के अभाव में लोग नेत्रदान को लेकर कई भ्रांतियों से ग्रसित हैं। उन्होंने कहा कि उम्र, लिंग और ब्लड ग्रुप की बाध्यता नहीं है। मोतियाबिंद सहित कई आंखों की सर्जरी के बाद भी नेत्रदान संभव है। प्रक्रिया के बाद चेहरे की विकृति नहीं होती और इसे सामान्यतः 15-20 मिनट में पूरा किया जा सकता है। घर पर मृत्यु होने की स्थिति में भी निर्धारित समय में आई बैंक की टीम प्रक्रिया कर सकती है। अंगों की खरीद-बिक्री गैरकानूनी है। डॉ निधि गडकर कश्यप ने बताया कि 2019 से कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल में 500 से अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का नेत्रदान दो कॉर्नियल दृष्टिहीन लोगों के जीवन में रोशनी ला सकता है।

संक्षिप्त खबरें

ईद मिलाद उन नवी के मौके पर निकला जुलूस

पूर्णिया,(एजेंसी) : पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की जयंती ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर मुस्लिम समुदाय की ओर से शहर में जुलूस निकाला गया।

जुलूस की शुरूआत रंगभूमि मैदान से हुई, जो गिरजा चौक, रजनी चौक, लाइन बाजार और फोर्ड कंपनी चौक होते हुए पुनः रंगभूमि मैदान पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और आपसी भाईचारे, प्रेम एवं सौहार्द का संदेश दिया।

जुलूस में शामिल लोग पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के बताए इंसानियत, शांति और भाईचारे के संदेश को आत्मसात करने की अपील करते नजर आए। विभिन्न इलाकों से पहुंचे अकीदतमंदों में उत्साह का माहौल रहा। पूरे रास्ते अनुशासन और सौहार्द के साथ जुलूस आगे बढ़ता रहा।

इस दौरान अकीदतमंदों ने देश-दुनिया में अमन-चैन, आपसी सद्भाव और खुशहाली की दुआ मांगी। शहर के विभिन्न स्थानों पर जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और लोगों के बीच पेयजल व शरबत वितरित किया।

लोगों ने कहा कि ईद मिलाद-उन-नबी समाज में प्रेम, इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने मानवता, जरूरतमंदों की मदद और शांति का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है। जुलूस के शांतिपूर्ण समापन के साथ लोगों ने सभी समुदायों के बीच सद्भाव और एकता कायम रखने का संकल्प दोहराया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मेहंदी श्रृंगार प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सारण, (एजेंसी) : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, दर्शन नगर में बुधवार को श्रावण मास के उपलक्ष्य में मेहंदी श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षिका स्वाति सिंह एवं प्राची कुमारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की लगभग 80 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने अपनी हथेलियों पर एक से बढ़कर एक आकर्षक और पारंपरिक मेहंदी कलाकृतियां उकेरकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का अवलोकन विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सुरभित दत्त एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने छात्राओं की रचनात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बच्चों में भारतीय परंपराओं और कलात्मक कौशलों के प्रति रुचि जागृत करते हैं।

विधायक ई आई पी गुप्ता ने शिक्षक और रक्षक को सर्वाधिक वेतन दिए जाने की मांग की

सहरसा, (एजेंसी) : बनवारी शंकर महाविद्यालय, सिमराहा में आयोजित सम्मान समारोह में सहरसा विधायक एवं जनप्रतिनिधि सदस्य ई.आई.पी. गुप्ता ने कहा कि डिग्री महाविद्यालय में उनका सम्मान विधायक के रूप में नहीं, बल्कि एक छात्र के रूप में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इस सम्मान को आशीर्वाद के रूप में स्वीकार करते हैं।

मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ई.आई.पी. गुप्ता ने कहा कि वे हमेशा मानते रहे हैं कि यदि उन्हें देश के बड़े सदन में जाने का अवसर मिला तो वे शिक्षक और रक्षक को सर्वाधिक वेतन दिए जाने की मांग करेंगे।

उन्होंने महाविद्यालय की स्थापना के समय पथ-प्रदर्शक की भूमिका निभाने वाले लोगों के योगदान की सराहना की।विधायक ने कहा कि सहरसा के संबंध में उन्हें जमीनी स्तर पर रिपोर्ट तैयार करनी पड़ी, जिसके बाद वे समझ पाए कि यहां से विश्वविद्यालय और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं दूसरे स्थानों पर क्यों चली गईं। उन्होंने कहा कि समाज को जाति और धर्म के नाम पर विभाजित होने के बजाय विकास के मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने वित्त अनुदानित महाविद्यालयों की समस्याओं को सदन में मजबूती से उठाने का आश्वासन दिया।समारोह के विशिष्ट अतिथि एवं सहरसा के पूर्व विधायक अरुण कुमार ने कहा कि सिमराहा के किसान परिवार स्वयं आर्थिक कठिनाइयों के बीच जीवन-यापन करते हुए भी इस शिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए अपनी जमीन उपलब्ध कराई। उन्होंने ऐसे त्यागी परिवारों को नमन करते हुए कहा कि वित्त अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों ने अपने अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया है और कई शिक्षक सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। सरकार को ऐसे महाविद्यालयों के अधिग्रहण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।डॉ. योगेंद्र कुमार की अध्यक्षता एवं प्रो. हरि नारायण यादव के संचालन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजद के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार ने कहा कि जिस उद्देश्य से महाविद्यालय की स्थापना की गई थी, वह आज काफी हद तक सफल हो रहा है। यहां हजारों छात्र शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य संवार रहे हैं।उन्होंने महाविद्यालय के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव का भी उल्लेख किया।विशिष्ट अतिथि डॉ. पवन कुमार यादव ने विधायक से पेरियार, ज्योतिबा फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

स्कूल-कॉलेजों में पुलिस दीदी की तैनाती महिला सुरक्षा के लिए वरदान : डॉ. गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा, (एजेंसी) : भाजपा सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि बिहार सरकार की महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण से जुड़ी पहल सराहनीय है। स्कूल-कॉलेजों में “पुलिस दीदी” की तैनाती छात्राओं एवं महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करेगी, वहीं पीएचडी, फेलोशिप और स्टार्टअप के लिए आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उन्होंने बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर ज्ञान भवन, पटना में गृह विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त कार्यक्रम में कहा कि एक हजार महिलाओं को पीएचडी के लिए प्रतिमाह 10 हजार रुपये की फेलोशिप तथा 2,100 महिलाओं को स्टार्टअप के लिए 50 हजार से दो लाख रुपये तक की सहायता देने की पहल महत्वपूर्ण है।डॉ. ठाकुर ने बताया कि पुलिस दीदी योजना के तहत पूरे बिहार में करीब 2,700 स्कूटी और दो हजार से अधिक मोटरसाइकिल के माध्यम से स्कूल-कॉलेजों के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इससे छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।उन्होंने कहा कि बिहार की करीब 1.81 करोड़ महिलाएं जीविका से जुड़ी हैं और लगभग 43 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अगले दो वर्षों में एक लाख और जीविका दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य है।

सांसद द्वारा कोशी के ज्वलंत मुद्दों को लोकसभा में उठाने पर कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने जताया आभार

सहरसा, (एजेंसी) : कोशी क्षेत्र के ज्वलंत एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को संसद में प्रमुखता से उठाने के लिए मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिनेश चंद्र यादव के प्रति कोशी विकास संघर्ष मोर्चा की ओर से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा एवं संरक्षक प्रवीण आनंद सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने सांसद महोदय से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा कोशी क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं एवं विकास संबंधी विषयों पर सार्थक चर्चा की।

सांसद दिनेश चंद्र यादव ने मोर्चा के अध्यक्ष एवं संरक्षक को आश्वस्त किया कि कोशी प्रक्षेत्र की समस्याओं को वे लगातार राज्य एवं केंद्र सरकार के समक्ष उठाते रहें हैं । उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनभावनाओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिन योजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन जनहित में अत्यंत उपयोगी है, उसके लिए संबंधित सरकारों एवं विभागों से आवश्यक पहल की जाएगी।बैठक में प्रमुख रूप से कोशी प्रक्षेत्र में एम्स अस्पताल की तर्ज पर कैंसर अस्पताल की स्थापना, पंचगछिया में संगीत महाविद्यालय की स्थापना, सहरसाझसुपौल मुख्य मार्ग पर पटोरीझबिहरा,तुलसियाही, पंचगछियाझदुगार्पुर तथा बेलाझबगरौली में ऊपरी पुलों का निर्माण एवं पटोरी चौक से नवहट्टा तक सड़क के चौड़ीकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण सड़क एवं आधारभूत संरचना से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।इसके साथ ही सहरसा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, पंडित मंडन भारती कृषि महाविद्यालय को कृषि विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने, मत्स्यगंधा झील के शेष तीन किनारों पर सीढ़ी निर्माण, संत कारू बाबा के नाम पर पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना तथा सहरसा नगर निगम की दयनीय स्थिति में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई।

कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने कहा कि कोशी क्षेत्र लंबे समय से विकास की अनेक मूलभूत चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में जनहित के इन महत्वपूर्ण मुद्दों को संसद में प्रभावी ढंग से उठाना तथा राज्य एवं केंद्र सरकार से उनके शीघ्र क्रियान्वयन की मांग करना अत्यंत सराहनीय पहल है।मोर्चा ने कहा कि कोशी के विकास एवं जनहित के मुद्दों को निरंतर मजबूती से उठाने के लिए सांसद दिनेश चंद्र यादव निश्चित रूप से धन्यवाद के पात्र हैं। मोर्चा को विश्वास है कि उनके प्रयासों से कोशी क्षेत्र की लंबित विकास योजनाओं को गति मिलेगी और आने वाले समय में क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

मखाना उत्पादन, गुणवत्ता और निर्यात बढ़ाने पर जोर

दरभंगा, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले के कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर बुधवार को समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव साकेत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिलाधिकारी कौशल कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, मखाना उत्पादक एवं एक्सपोर्टर शामिल हुए। बैठक में जिले में मखाना उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और निर्यात की स्थिति की समीक्षा की गई। संयुक्त सचिव ने उत्पादकों एवं एक्सपोर्टरों से निर्यात में आने वाली समस्याओं तथा गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक मखाना उत्पादकों को जीआई टैग से जोड़ने और एपीडा के माध्यम से बिहार से मखाना निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुरूप मखाना की गुणवत्ता, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और निर्यात व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है। उत्पाद की अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन को भी महत्वपूर्ण बताया।जिलाधिकारी कौशल कुमार ने एक्सपोर्टरों को गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा जीआई टैग के लिए अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मखाना विकास योजना के तहत उत्पादन क्षेत्र का विस्तार करने पर भी जोर दिया। बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष जिले के 890 किसानों को योजना का लाभ मिला, जबकि मखाना अनुसंधान केंद्र द्वारा पिछले दो वर्षों में करीब पांच हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है।एक्सपोर्टरों ने दरभंगा एयरपोर्ट से कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने तथा मखाना के भंडारण, प्रसंस्करण और निर्यात के लिए पैक हाउस विकसित करने का सुझाव दिया। संयुक्त सचिव ने इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने और कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया।बैठक में कृषि उत्पादन, फसल विविधीकरण, सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, उन्नत तकनीक, किसानों की आय बढ़ाने तथा विभिन्न योजनाओं के अभिसरण की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय से परिणामोन्मुखी कार्ययोजना तैयार कर किसानों को योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया गया।

मैरवा में डीएम ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों संग की समन्वय बैठक, पर्व-त्योहारों को लेकर दिए निर्देश

सीवान, (एजेंसी) : जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने बुधवार को मैरवा में प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ परिचयात्मक एवं समन्वयात्मक बैठक की।

बैठक में क्षेत्र के विकास, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, जनसमस्याओं तथा आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दे डीएम के समक्ष रखे। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ साझा की जाए, ताकि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से पहुंच सके।

उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक में सैयद इकबाल ने छह माह से पेंशन नहीं मिलने की समस्या उठाई। बड़गांव के मुखिया ने जलजमाव के कारण कृषि योग्य भूमि प्रभावित होने की शिकायत की। सेवतापुर के मुखिया अर्जुन साह ने प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति की जानकारी मांगी। संबंधित पदाधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के लिए करीब 167 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है और इससे संबंधित प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजने की प्रक्रिया में है। सौमिल उपाध्याय ने विद्युत आपूर्ति एवं जलजमाव की समस्या रखी, जबकि नगर पंचायत की चेयरमैन किस्मती देवी ने लो-वोल्टेज की समस्या से अवगत कराया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आगामी तीज एवं अन्य पर्व-त्योहारों को देखते हुए डीएम ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें और पर्व-त्योहार आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं।

नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की आशंका, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने का दिया निर्देश

पटना, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प' सभागार में नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति तथा गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की संभावना को देखते हुए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री ने बिहार के संबंधित जिलों में विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए बिहार में संभावित प्रभाव वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जाए।

विशेषकर गंडक नदी से जुड़े पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली सहित अन्य संवेदनशील जिलों में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में बाढ़ के कारण आने वाले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा संभावित प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी तटबंधों एवं बांधों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी लगातार निगरानी की जाए। तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसी भी कमजोर हिस्से पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बांधों एवं तटबंधों पर रात में भी विशेष नाइट पेट्रोलिंग कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील एवं प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन द्वारा लाउडस्पीकर, माइक के माध्यम से लोगों को लगातार आवश्यक सूचना एवं संभावित खतरे की चेतावनी दी जाए ताकि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें तैनात रखें। संबंधित जिला प्रशासन इन टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी टीमें पूरी तरह सक्रिय रहें। किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रक्षा बंधन को लेकर ट्रेनों में उमड़ी भीड़, सुरक्षा व्यवस्था हुई चाक-चौबंद

ट्रेनों और प्लेटफार्मो पर आरपीएफ व जीआरपी की बढायी गई तैनाती

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू-धनबाद रेल सेक्शन सहित गया- पटना और गया-कियूल रेल सेक्शन पर रक्षा बंधन पर्व को लेकर ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। गया जंक्शन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बुधवार से आरपीएफ और जीआरपी ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्लेटफॉर्मों के साथ स्टेशन परिसर और ट्रेनों में भी जवानों की गश्ती बढ़ा दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों के अलावा पैसेंजर ट्रेनों में भी एस्कॉर्ट टीम की तैनाती बढ़ाई गई है। इस सबन्ध में पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार, रेल एसपी अंनत कुमार राय और डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश और मॉनिटरिंग में आपीएफ और जीआरपी टीम की तैनाती बढायी गई है।

गया जंक्शन से गुजरने वाले गया-कोडरमा, गया-पटना और गया-डीडीयू रेलखंड पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। भीड़ के बीच चोरी, छिनतई सहित अन्य अप्रिय घटनाओं की आशंका को देखते हुए आरपीएफ और जीआरपी के जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं। प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ यात्रियों को भी सतर्क रहने की अपील की जा रही है।सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा जीआरपी थानाध्यक्ष शिवकुमार के नेतृत्व में आरपीएफ और जीआरपी की टीम सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही है। जवान प्लेटफॉर्मों, फुटओवर ब्रिज, प्रवेश-निकास द्वार और ट्रेनों में लगातार गश्ती कर रहे हैं। रक्षा बंधन के दौरान यात्रियों की संख्या और बढ़ने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा बलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल आरपीएफ अथवा जीआरपी को देने की अपील की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पर्व के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

बेलवा काशीपुर विद्यालय में छात्राओं की एनीमिया व टीबी जांच

किशनगंज, (एजेंसी) : भारत सरकार की पहल के तहत एनीमिया और टीबी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान एवं रोकथाम को लेकर विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एमएस/यूएमवी बेलवा काशीपुर का चयन कर छात्राओं की स्वास्थ्य जांच और रक्त जांच की गई।स्वास्थ्य विभाग की टीम विद्यालय परिसर पहुंची और छात्राओं की प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच की।एनीमिया की पहचान के लिए रक्त जांच की गई, जबकि टीबी के संभावित लक्षणों को लेकर भी छात्राओं की स्क्रीनिंग की गई। जांच के दौरान छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया तथा किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। किशोरियों में एनीमिया एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या मानी जाती है। शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर कमजोरी, थकान समेत कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। विद्यालय स्तर पर रक्त जांच से ऐसी समस्या की शुरूआती स्तर पर पहचान संभव हो पाती है। वहीं टीबी स्क्रीनिंग का उद्देश्य संभावित लक्षण वाले मामलों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच और आवश्यक उपचार से जोड़ना है।विद्यालय की शिक्षिका गुड्डी कुमारी ने कहा कि छात्राओं की एनीमिया एवं टीबी को लेकर की गई स्क्रीनिंग बेहद महत्वपूर्ण पहल है। समय पर जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शुरूआती स्तर पर पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान से छात्राओं में अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी। विद्यालय प्रबंधन ने भी स्वास्थ्य जांच अभियान पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रबंधन के अनुसार, विद्यालय में जांच की सुविधा उपलब्ध होने से छात्राओं को अपनी स्वास्थ्य स्थिति जानने का अवसर मिला है।

ठंडी कोल्ड ड्रिंक को लेकर विवाद, ग्राहक ने दुकानदार और दोस्त पर चाकू से किया हमला

पटना, (एजेंसी) : पटना के श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र में बुधवार को मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कस्तूरबा पथ नाला के पास शिव मंदिर के समीप एक दुकान पर ठंडी कोल्ड ड्रिंक नहीं मिलने को लेकर ग्राहक और दुकानदार के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर ग्राहक ने जेब से धारदार चाकू निकालकर दुकानदार पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे दुकानदार के दोस्त पर भी आरोपी ने चाकू से वार कर दिया। जानकारी के अनुसार, एक ग्राहक कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दुकान पर पहुंचा था। दुकानदार द्वारा दी गई कोल्ड ड्रिंक पर्याप्त ठंडी नहीं होने पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ग्राहक ने कथित तौर पर चाकू निकाल लिया और दुकानदार नीतीश पर हमला कर दिया। चाकू पेट में लगने से नीतीश गंभीर रूप से घायल हो गया और लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस की सफलता को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज के श्री सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से हरेक साल निकलने वाले महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस इस साल 13 सितंबर को निकाली जाएगी।इस शोभायात्रा जुलूस में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बजरंग बली मंदिर में 24 घंटे का अखंड अष्टयाम संकीर्तन के साथ लाखों की संख्या में श्रद्धालु गाजे बाजे और झांकियों के साथ भाग लेते हैं।इस साल निकलने वाले महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर आयोजन समिति ने तैयारी शुरू कर दी है और ग्रामीण इलाकों में विभिन्न अखाड़ों के साथ मंदिर प्रबंधन कमिटी के सदस्यों से मुलाकात कर महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील कर रहे हैं।

इसी कड़ी में बुधवार को महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस कमिटी के संचालक एवं आरएसएस जिला संघ चालक सच्चिदानंद मेहता,सह संचालक बिमल सिंह,प्रो.गणेश ठाकुर,मनोज झा,गंगा साह,सुबोध मोहन ठाकुर,अंजनी मिश्रा,माधव लाल कर्ण,प्रसेनजीत चौधरी,रजनीश कुमार आदि ने अम्हारा, मझुआ, रंगदाहा के अखाड़ों के सदस्यों से जनसंपर्क कर महावीरी झण्डा शोभायात्रा जुलूस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।इस मौके पर शोभायात्रा कमिटी के सदस्यों ने कहा कि महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस इस साल ऐतिहासिक होगा और लाखों की संख्या में पांच दर्जन से अधिक अखाड़ों के लोगों के साथ इसमें अररिया,नरपतगंज,जोगबनी सहित ग्रामीण इलाकों के श्रद्धालु शामिल होंगे।कमिटी के सदस्यों ने कहा कि इस साल बड़ी संख्या में नेपाल से भी श्रद्धालुओं ने आने और अपनी सहभागिता का आश्वासन दिया है।

संपादकीय

नर्सिंग छात्रों के साथ पांच साल से खिलवाड़, जिम्मेदार कौन?

मध्य प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा की स्थिति पिछले पांच वर्षों से लगातार सवालों के घेरे में है। कभी नर्सिंग काउंसिल पर सवाल उठते हैं, कभी विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर, तो कभी सरकार की नीतियों और कॉलेजों को दी गई मान्यता पर। कॉलेजों के निरीक्षण से लेकर प्रवेश प्रक्रिया तक में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा, सीबीआई को जांच सौंपी गई, जांच हुई, लेकिन विद्यार्थियों की मूल समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस पूरे विवाद की कीमत आखिर कौन चुका रहा है?

सरकार नहीं, नर्सिंग काउंसिल नहीं, विश्वविद्यालय नहीं और न ही वे संस्थान, जिन पर गंभीर आरोप लगे हैं। इसकी कीमत चुका रहा है वह विद्यार्थी, जिसने अपनी मेहनत और परिवार की जमा पूंजी लगाकर नर्सिंग में प्रवेश लिया था।

जिन विद्यार्थियों ने वर्ष 2020-21 के आसपास नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया, उनकी पढ़ाई सामान्य परिस्थितियों में लगभग तीन वर्षों में पूरी हो जानी चाहिए थी। लेकिन पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश, मान्यता, परीक्षा, परिणाम और विश्वविद्यालय से जुड़े विवादों में उलझे हुए हैं।

इन पांच वर्षों में विद्यार्थियों की उम्र बढ़ गई, परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता गया और करियर लगातार पीछे छूटता गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कई विद्यार्थियों को आज भी यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी पढ़ाई कब पूरी होगी और वे कब अपने करियर की शुरूआत कर पाएंगे।

यह केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं है। यह हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है।

मान्यता और निरीक्षण पर सबसे बड़ा सवाल

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर और ग्वालियर खंडपीठ में नर्सिंग शिक्षा से जुड़े मामले लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में हैं। कॉलेजों की मान्यता, निरीक्षण, अस्पतालों की उपलब्धता और प्रवेश प्रक्रिया जैसे मुद्दे लगातार उठते रहे हैं। सीबीआई जांच तक की नौबत आई।

यदि कुछ संस्थानों ने कागजों पर अस्पताल या अन्य आवश्यक सुविधाएं दिखाकर मान्यता हासिल की, तो सवाल केवल उन निजी कॉलेजों की भूमिका तक सीमित नहीं रह जाता।

जब भी कोई हंसने का अवसर मिले तो, हंसे यह एक सुलभ दवा है।

: लार्ड ब्रायन

स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेना सबसे श्रेष्ठ और महानतम विजय होती है।

: प्लेटो

ऋत, छन्द और संवत्सर चक्र की श्रुति परम्परा यजुर्वेदीय उपाकर्म

सनातन वांग्मय में जहां ऋग्वेद ज्ञान का स्रोत है, वहीं यजुर्वेद उस ज्ञान के क्रियान्वयन, यज्ञीय रूपांतरण और आनुष्ठानिक गतिशीलता का साक्षात विग्रह है। यजुर्वेद केवल मन्त्रों का संकलन नहीं, अपितु जीवन मण्डल को ऋत (ब्रह्मांडीय अपरिवर्तनीय नियम) के अनुकूल ढालने का क्रियात्मक विधान है। यजुर्वेदीय परम्परा में जिस कर्म को सर्वोपरि स्थान दिया गया है, उसकी आत्मा उपाकर्म के वार्षिक अनुष्ठान में अन्तर्निहित है। यह अनुष्ठान काल प्रवाह की संक्रान्ति बेला में मानव चेतना को अविद्या से विद्या की ओर उन्मुख करने का एक वार्षिक स्वाध्याय संकल्प है।

उल्लेखनीय है कि यजुर्वेदीय उपाकर्म मात्र किसी बाह्य यज्ञोपवीत को परिवर्तित करने की लौकिक रूढ़ि नहीं है। यह काल पुरुष (संवत्सर) के साथ स्वयं के आध्यात्मिक तादात्म्य को स्थापित करने, पूर्वार्ध के मानसिक मल का त्याग करने और उत्तरार्द्ध हेतु ब्रह्मतेज को जागृत करने का एक गम्भीर व महत्वपूर्ण उपक्रम है। यजुर्वेद के कर्मकाण्ड का मुख्य ध्येय है- यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म। इसी श्रेष्ठतम कर्म की वैचारिक पीठिका तैयार करने का काम उपाकर्म करता है।

ऋग्वैदिक परम्परा जहां मुख्य रूप से मन्त्रों के सस्वर पाठ और श्रवण नक्षत्र पर केन्द्रित है, वहीं यजुर्वेदीय परम्परा (शुक्ल एवं कृष्ण दोनों विधाओं में) काल गणना, नक्षत्र विज्ञान और ऋतु परिवर्तन के सूक्ष्म रहस्यों से जुड़ी है।

कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तिरीय संहिता 4/4/10 में नक्षत्रों और मासों के आध्यात्मिक व भौतिक प्रभावों का सांगोपांग वर्णन मिलता है। वहां स्पष्ट संकेत है कि संवत्सर का नाभिकीय बिन्दु वर्षा ऋतु और शरद ऋतु की सन्धि पर स्थित होता है। शुक्ल यजुर्वेद के शतपथ ब्राह्मण 11/5/4 में स्वाध्याय की महिमा का वर्णन करते हुए ऋषि यज्ञ की महत्ता प्रतिपादित की गई है-

अहरहः स्वाध्यायमधीते। यदहरहः स्वाध्यायमधीते तद्भूयिष्ठं ब्रह्म भवति।

शतपथ की यह घोषणा उपाकर्म के मूल मर्म को स्पर्श करती है। वहां कहा गया है कि जो प्रतिदिन स्वाध्याय करता है, वह साक्षात ब्रह्मरूप हो जाता है। उपाकर्म इसी सतत स्वाध्याय की वार्षिक उद्घोषणा है, जो श्रावण मास में वेदों के नूतन सत्र के रूप में आरम्भ होती है।

काठक संहिता 34/5 में छन्दसाम् उपाकर्म (छन्दों या वेदों का उपाकर्म) के विषय में गहन विवेचन है। इसके अनुसार, वाणी (वाक) जब ग्रीष्म और लौकिक व्यवधानों के कारण श्रान्त हो जाती है, तब वर्षा की फुहारों के बीच मन्त्रों के पुनरावर्तन से उसमें पुनः अमृतरस का संचार होता है। गोपथ ब्राह्मण 1/1 में स्पष्ट किया गया है कि दीक्षा की इस अवधि में ब्रह्मचारी और गृहस्थ दोनों ही अपने मानसिक तन्मात्रों को पवित्र कर वेदों के गहन दार्शनिक सत्यों को ग्रहण करने योग्य बनते हैं। यजुर्वेद के विभिन्न सूत्रों- जैसे कात्यायन, बौधायन, मानव, और आपस्तम्ब, में उपाकर्म के संपादन हेतु काल निर्धारण के जो सूक्ष्म नियम दिए गए हैं, वे पूर्णतः खगोलीय गणना पर आधारित हैं। ऋग्वैदिक परम्परा से इतर, यजुर्वेदीय शाखाओं में श्रावण पूर्णिमा के साथ-साथ कतिपय अन्य तिथियों को भी ग्रहण किया जाता है, जो उनकी अपनी संहिता परम्परा के अनुकूल हैं। यजुर्वेदीय सूत्र तिथि एवं नक्षत्र विधान की अपनी आनुष्ठानिक विशेषता है। कात्यायन गृह्यसूत्र श्रावण शुक्ल पूर्णिमा (हस्त, श्रवण) को मान्यत प्रदान करता है, जो शुक्ल यजुर्वेदीय माध्यन्दिन एवं काण्व शाखा हेतु सर्वमान्य काल है। बौधायन गृह्यसूत्र कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तिरीय शाखा हेतु ओषधियों के प्रादुर्भाव के अनुसार आषाढ़ी पूर्णिमा अथवा श्रावणी पूर्णिमा को मानता है। आपस्तम्ब गृह्यसूत्र श्रावण मास की हस्त या श्रवण युक्त तिथि को मानता है, यह मानसिक शुद्धि और ब्रह्मचर्य व्रत के नवीनीकरण पर विशेष बल देता है। इसी प्रकार भारद्वाज गृह्यसूत्र को भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा (यदि श्रावण मन्द हो) मान्य है, यह काल दोष के निवारण हेतु पयार्यी काल का वैज्ञानिक निर्धारण की पद्धति पर आधारित है।

कात्यायन गृह्यसूत्र 2/4/1 का निर्देश है कि उपाकर्म तब किया जाए जब सूर्य अपनी सिंह राशि की ओर उन्मुख हो और चन्द्रमा श्रवण नक्षत्र में प्रतिष्ठित हो। यह कालखण्ड ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संचरण की दृष्टि से परम पवित्र माना जाता है। इस समय जल तत्त्व की प्रधानता होती है, जो चित्त की चंचलता को शान्त करने में सहायक है। यजुर्वेद की पद्धतियों के अनुसार उपाकर्म की आन्तरिक संरचना में कुछ ऐसी विशिष्ट क्रियाएं हैं, जो इसे गहन दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक रूप प्रदान करती हैं। यजुर्वेदीय परम्परा की एक अनूठी विशेषता है- उत्सर्जन और उपाकर्म का सह अस्तित्व। उत्सर्जन का अर्थ है- पिछले छह महीनों में जो वेदमन्त्र पढ़े गए, उन्हें श्रद्धापूर्वक विसर्जित करना या कुछ समय के लिए विराम देना, और उपाकर्म का अर्थ है- नवीन सत्र का आरम्भ करना। कात्यायन श्रौतसूत्र के अनुसार ज्ञान कभी स्थिर या जड़ नहीं होना चाहिए, उसमें ग्रहण और विसर्जन का एक प्राकृतिक चक्र होना चाहिए। यह प्रक्रिया मानव मस्तिष्क को यह सिखाती है कि नए ज्ञान को आत्मसात करने के लिए पुराने पूर्वाग्रहों का विसर्जन अनिवार्य है। यजुर्वेदीय उपाकर्म में काण्ड ऋषि तर्पण का विशेष महत्त्व है। शुक्ल यजुर्वेद के माध्यन्दिन अनुयायी वेदों के चार प्रमुख भागों के प्रवर्तक ऋषियों को जलांजलि देते हैं-

प्रजापति (सृष्टि के मूल कर्ता), सोम (ओषधि और आह्लाद के स्वामी), अग्नि (ऊर्जा और यज्ञ के देव) और विश्वेदेवाः (समस्त ब्रह्मांडीय शक्तियां)।

इसके उपरांत सप्तर्षियों- कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वसिष्ठ के साथ-साथ अरुन्धती की भी विशेष पूजा की जाती है। यह विधान दशार्ता है कि सनातन परम्परा में ज्ञान केवल पुरुषपरक नहीं है, बल्कि उसमें स्त्री शक्ति (अरुन्धती) का भी समान समादर है। यह तर्पण हमारे ऐतिहासिक ऋण की सुस्पष्ट पावती है। यजुर्वेदीय श्रौत परम्परा के अनुसार इस दिन कई स्थानों पर अरणी (लकड़ी के दो टुकड़ों को रगड़कर) से अग्नि प्रकट की जाती है। इस नूतन अग्नि में यजुष होम किया जाता है। स्वाहा मन्त्रों के साथ दी जाने वाली आहुतियां इस बात का प्रतीक हैं कि मनुष्य अपनी तामसिक वृत्तियों को ज्ञान की इसी पवित्र अग्नि में भस्म कर रहा है। यजुर्वेद का अन्तिम अध्याय कर्म और ज्ञान के अद्भुत समन्वय की घोषणा करता है-

कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।

एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

-यजुर्वेद 40/2

यह मन्त्र प्रतिपादित करता है कि कर्म से भागना नहीं है, बल्कि अनासक्त होकर कर्म करना है। उपाकर्म हमें इसी अलिप्त कर्म (कर्मों में लिप्त न होने) की विधा सिखाता है। यदि कोई मनुष्य उपाकर्म के माध्यम से अपनी इन्द्रियों और बुद्धि का परिष्कार नहीं करता, तो वह अनजाने में ही आत्महन (अपनी ही आत्मा का गला घोंटने वाला) बन जाता है। अज्ञान के घने अन्धकार (अन्धेन तमसा) में भटकने वाले वे लोग हैं जो प्रकृति (संवत्सर चक्र) और परमात्मा (ऋत) के नियमों की अवहेलना करते हैं। यजुर्वेदीय उपाकर्म इसी अवहेलना और पापकर्म के विरुद्ध एक सामूहिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विद्रोह है। यह साधक को आत्मविस्मृति के गर्त से निकालकर आत्म साक्षात्कार के दिव्य प्रकाश में प्रतिष्ठित करता है। इस वैदिक अनुष्ठान का विश्लेषण समकालीन समाजशास्त्र और पारिस्थितिकीय विज्ञान की कसौटी पर किये जाने से यजुर्वेदीय ऋषियों का चिन्तन अत्यन्त वैज्ञानिक प्रतीत होता है। जहां इसका वैज्ञानिक पक्ष जल चिकित्सा (दशस्नान), संवत्सर-काल गणना, ओषधि तत्वों का ज्ञान से जुड़ता है, वहीं इसका सामाजिक पक्ष सामूहिक समरसता (एकत्रीकरण) गुरु-शिष्य परम्परा की जीवन्तता, बौद्धिक उत्तरदायित्व का बोध कराता है।

प्राचीन काल में राजा से लेकर रंक तक, सभी वर्णों के द्विज, जिन्होंने उपनयन संस्कार ग्रहण किया हो, नदी तट या जलाशय पर एकत्रित होकर एक साथ उपाकर्म करते थे। यहां कोई ऊंच -नीच नहीं होती थी। सभी एक समान मिट्टी, भस्म और जल से स्नान कर एक ही मन्त्र से अभिमन्त्रित यज्ञोपवीत धारण करते थे। यह सामाजिक समरसता का सर्वोत्तम उदाहरण था। उपाकर्म का समय वह है जब पृथ्वी पर नव-वनस्पतियां (ओषधियां) लहलहाने लगती हैं। यजुर्वेद में ओषधियों को माता कहा गया है -ओषधयः सं वदन्ते सोमेन सह राज्ञा। उपाकर्म के दिन इन ओषधियों का पूजन और स्पर्श यह सुनिश्चित करता था कि मनुष्य प्रकृति के प्रति संवेदनशील बना रहे। मन्त्रों का सस्वर उच्चारण और गायत्री जप मस्तिष्क की तंत्रिकाओं को झंकृत करता है। चातुर्मास के प्रारम्भ में किया जाने वाला यह अनुष्ठान आने वाले महीनों के मानसिक श्रम के लिए मेधा शक्ति को रिचार्ज करने का एक आध्यात्मिक ऊर्जा घर है। आज का मानव गहरे मानसिक तनाव, अवसाद और वैचारिक भटकाव के दौर से गुजर रहा है। सूचनाओं की प्रचुरता है, किन्तु ज्ञान का नितांत अभाव है। ऐसी स्थिति में यजुर्वेदीय उपाकर्म की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। जिस प्रकार दशस्नान से शरीर के बाह्य मलों का शोधन होता है, उसी प्रकार उपाकर्म के मानसिक संकल्पों के माध्यम से आज के डिजिटल कचरे और नकारात्मक विचारों से बुद्धि का शोधन आवश्यक है। यज्ञोपवीत के तीन सूत्र आज के सन्दर्भ में- अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, अपने परिवार, पूर्वजों के प्रति कर्तव्य और समूची मानवता व प्रकृति के प्रति कर्तव्य के जीवन्त प्रतीक हैं। इन सूत्रों का नवीनीकरण हमें अपनी ज़िम्मेदारियों से भागने नहीं देता। ईशावास्योपनिषद के शब्दों में जब तक हम विद्या (आध्यात्मिक ज्ञान) और अविद्या (लौकिक कर्म) दोनों का सन्तुलन नहीं साधेंगे, तब तक समाज में सुख-शान्ति सम्भव नहीं है। उपाकर्म इसी सन्तुलन का वार्षिक महोत्सव है। यजुर्वेदीय उपाकर्म कोई गतिहीन कर्मकाण्ड नहीं, बल्कि सनातन धर्म की वह चेतनामयी और प्रवहमान ज्ञान सरिता है, जो हर वर्ष स्वयं को परिष्कृत करती है। यह मनुष्य को यह सन्देश देती है कि समय के साथ यदि ज्ञान, विचारों और संकल्पों का नवीनीकरण न किया जाए, तो वे अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं। शाश्वत सत्य है कि जब तक सूर्य, चन्द्र और नक्षत्रों की गति रहेगी, जब तक मानव हृदय में सत्य को जानने की अभीप्सा जीवित रहेगी, तब तक यजुर्वेद का यह उपाकर्म पर्व मानव जाति को अज्ञान के घोर अन्धकार से खींचकर आत्मज्ञान के परम प्रकाश की ओर ले जाता रहेगा।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

निमाड़ की राजनीति का अगला पन्ना अब राष्ट्रीय किताब में

किसी भूगोल का गौरव जब व्यक्ति के व्यक्तित्व में उतरता है, तब वह केवल प्रतिनिधि नहीं रहता, उस भूगोल की जीवित पहचान बन जाता है। गजेंद्र सिंह पटेल का जीवन ऐसी कहानी है– निमाड़ की तपती धरती, खरगोन-बड़वानी मप्र की आदिवासी बेल्ट, संघर्षों भरा बचपन और साधारण जीवन से निकली असाधारण राजनीतिक यात्रा। मिट्टी की गंध से उठकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री के दायित्व तक पहुँचना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, उस अंचल के आत्मसम्मान की यात्रा है, जिसे लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर समझा गया। पिता उमराव सिंह पटेल की राजनीतिक विरासत और माता स्वर्गीय सुशीला बाई पटेल की अटूट ममता से मिले संस्कारों ने व्यक्तित्व गढ़ा। उन्होंने लोकसभा के दो चुनाव जीतकर जनता का विश्वास अर्जित किया और अब राष्ट्रीय संगठन के शीर्ष दायित्व तक पहुँचकर उस विश्वास को बड़े फलक पर खड़ा किया है। यह उपलब्धि व्यक्ति की कम, पूरे क्षेत्र के आत्मविश्वास की कहानी है।

माँ की गोद में मिले संस्कार और पिता की राह से मिली राजनीतिक दृष्टि–गजेंद्र सिंह पटेल के व्यक्तित्व की दो धाराएँ हैं, जो अंततः एक ही नदी बनती हैं। सुशीला बाई का संघर्षपूर्ण जीवन उन्हें सिखाता रहा कि अभाव मनुष्य की नियति नहीं, उसकी परीक्षा है। आदिवासी अंचल में सीमित संसाधनों के बीच शिक्षा और स्वाभिमान की लौ बचाए रखना आसान नहीं था। पिता उमराव सिंह पटेल बड़वानी मप्र से विधायक और राज्य मंत्री रहे, लेकिन राजनीतिक पहचान के बावजूद परिवार की जड़ें अपनी मिट्टी से नहीं उखड़ीं। सरकारी महाविद्यालय बड़वानी से बीए और इंदौर से एलएलबी की शिक्षा ने गजेंद्र सिंह पटेल को केवल शैक्षणिक योग्यता नहीं, अपने क्षेत्र की पीड़ा को समझने और उसे शब्द देने की क्षमता दी। किसान और व्यवसायी के रूप में पेट्रोल पंप की देनदारी और खेती की मेहनत साथ लेकर चलना वह अध्याय रहा, जिसने उन्हें राजनीति से पहले जीवन की वास्तविकता सिखाई।

राजनीति में पहुँचने से पहले उन्होंने संगठन की धूल अपने पैरों पर लगाई थी। युवावस्था में संघ के विस्तारक के रूप में महू में काम करते हुए उन्होंने संगठन को बाहर से नहीं देखा, उसकी नसों में उतरकर समझा। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में उन्होंने आदिवासी समाज की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय संगठन में स्वर दिया। 2019 में खरगोन-बड़वानी मप्र लोकसभा सीट से पहली विजय और 2024 में पुनः निर्वाचित होना प्रमाण था कि उनकी राजनीति केवल संगठन की पसंद नहीं, जनता के विश्वास से भी पुष्ट थी। संसद में रेल लाइन, चिकित्सा महाविद्यालय, सिकल सेल एनीमिया, किसानों के प्रश्न, मोबाइल नेटवर्क, नई रेल परियोजनाएँ, कपड़ा पार्क और किसान योजनाओं जैसे विषयों पर उनकी सक्रियता ने क्षेत्रीय समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श तक पहुँचाया। शोर कम, निरंतरता अधिक रही। वे अपने क्षेत्र को केवल चुनावी नक्शे पर नहीं, विकास की वास्तविक जमीन पर देखते हैं।

फिर वह दिन आया, जब संगठन ने निमाड़ की इस जमीनी आवाज को राष्ट्रीय जिम्मेदारी दी। नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा ने 17 अगस्त 2026 को नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर गजेंद्र सिंह पटेल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया। यह केवल पद की घोषणा नहीं थी; यह उस राजनीतिक दृष्टि की अभिव्यक्ति थी, जिसमें संगठन के शिखर तक पहुँचने का रास्ता महानगरों से गुजरना जरूरी नहीं। खरगोन-बड़वानी जैसे आदिवासी और पिछड़े क्षेत्र से उठकर राष्ट्रीय संगठन के केंद्र में पहुँचना अपने आप में संदेश है। शीर्ष नेतृत्व ने क्षमता, निष्ठा, संगठनात्मक अनुभव और जनसंपर्क को महत्व दिया। यह उस कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा है, जिसने पद के लिए अपनी जमीन नहीं छोड़ी और जमीन पर रहते हुए पद की ऊँचाई हासिल की।

किसी नेता की असली परीक्षा चुनाव जीतने के बाद शुरू होती है, क्योंकि तब मतदाता वोटर नहीं, अपने सवालों के साथ सामने खड़ा मनुष्य होता है। गजेंद्र सिंह पटेल की विशिष्टता इसी जन-संबंध में है। वे केवल सांसद नहीं, निमाड़ के गाँव-फालियों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधि हैं। आदिवासी समाज की समस्याएँ उनके लिए भाषण की सामग्री नहीं, राजनीतिक प्रतिबद्धता हैं। किसान, युवा और दूरदराज के गाँवों में संचार तथा परिवहन की जरूरतें वे लगातार उठाते रहे हैं। पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया, लेकिन माँ से मिली सरलता नहीं छोड़ी। बसंती पटेल के जीवनसाथी और दो पुत्रों के पिता के रूप में परिवार तथा सार्वजनिक जीवन का संतुलन भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। नेतृत्व की विश्वसनीयता इसी से बनती है कि निजी सरलता और सार्वजनिक भूमिका में कितना अंतर है। ऊँचाइयाँ अक्सर आदमी को जमीन से दूर कर देती हैं, लेकिन गजेंद्र सिंह पटेल की यात्रा का सुंदर पक्ष यही है कि ऊँचाई बढ़ी, जमीन नहीं छूटी। धूल भरी सड़कों से राष्ट्रीय संगठन के गलियारों तक पहुँचना केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, धैर्य की साधना है। संसाधनों की कमी, क्षेत्रीय चुनौतियों और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने उन्हें संगठनात्मक रास्ते से नहीं भटकाया। भाजपा के ढाँचे में उन्होंने स्वयं को लगातार प्रमाणित किया। राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद क्षेत्र में सैकड़ों मंचों पर हुआ स्वागत इसी जुड़ाव का संकेत था। लेकिन उसका श्रेय लेने के बजाय उन्होंने कहा कि यह सम्मान खरगोन-बड़वानी के कार्यकताओं का है। यही उनके व्यक्तित्व की कुंजी है। उपलब्धि के क्षण में भी पीछे खड़े लोगों को याद रखने वाले नेता की राजनीति में व्यक्ति से अधिक संगठन और स्वयं से अधिक समाज दिखाई देता है।

निमाड़ की आवाज अब दिल्ली के संगठनात्मक कक्षों में केवल सुनी नहीं जाएगी, उसके पीछे राष्ट्रीय दायित्व की शक्ति भी होगी। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पिछड़े आदिवासी बेल्ट के पुत्र को राष्ट्रीय महामंत्री बनाकर संदेश दिया है कि योग्यता का कोई भौगोलिक पता नहीं और समर्पण की कोई सीमा नहीं। नितिन नबीन के नेतृत्व में बनी नई टीम में अनुभव और ऊर्जा के संयोजन में गजेंद्र सिंह पटेल का जमीनी अनुभव महत्वपूर्ण कड़ी है। किसान, आदिवासी और युवा के लिए यह नियुक्ति आशा का संकेत है कि उनकी आवाज सत्ता-केंद्र तक पहुँच सकती है। खरगोन-बड़वानी अब केवल संसदीय क्षेत्र नहीं, उस संभावना का प्रतीक है, जिसमें किसी पिछड़े अंचल का बेटा राष्ट्रीय नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है।

किसी जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि एक समय आए, जब पद नहीं, यात्रा बोलने लगे। गजेंद्र सिंह पटेल की यात्रा संघर्ष में तपे उस व्यक्तित्व की है, जिसमें पिता की राजनीतिक विरासत, माँ की ममता, शिक्षा का विवेक, किसान का श्रम, व्यवसायी की व्यावहारिकता, संघ का अनुशासन, भाजपा संगठन की साधना और जनता के विश्वास की मुहर है। राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व इस यात्रा का विराम नहीं, कठिनतर अध्याय का आरंभ है। निमाड़ की मिट्टी ने जिस बेटे को गढ़कर संसद भेजा, वही अब राष्ट्रीय संगठन में उस मिट्टी की आवाज लेकर पहुँचा है। गजेंद्र सिंह पटेल का कद केवल राष्ट्रीय पद से नहीं बढ़ा; उनके साथ खरगोन-बड़वानी, निमाड़, आदिवासी समाज, किसान और पूरे भूगोल की आकांक्षाएँ ऊँची हुई हैं। मिट्टी का यह बेटा अब राष्ट्र की धमनियों में अपनी धरती की धड़कन लेकर चल रहा है–यही उसके व्यक्तित्व की पहचान है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राखी का दिन एक है, रिश्ते की जरूरत हर दिन

राखी को हम भाई-बहन के स्नेह का त्योहार कहते हैं, लेकिन इससे जुड़ी ह्यरक्षाह्न की धारणा पर ठहरकर सोचने की जरूरत है। बहन कलाई पर धागा बाँधती है और भाई उसकी रक्षा का वचन देता है। पर जीवन की सच्चाई इससे कहीं व्यापक है। कोई धागा न महँगाई रोक सकता है, न नौकरी की चिंता मिटा सकता है, न कठिन समय में साथ खड़ा हो सकता है। असली सुरक्षा रस्म से नहीं, व्यवहार से मिलती है। फिर भी यह परंपरा हर साल दोहराई जाती है, क्योंकि रिश्तों में कुछ भाव तर्क से नहीं, स्मृतियों और परंपराओं से जीवित रहते हैं। सवाल बस इतना है–आज हमारे जीवन में इस परंपरा का अर्थ कितना बचा है?

समय के साथ राखी भी बदल गई है। कभी सादा सूती धागा ही पर्याप्त था, आज बाजार में चमकदार, क्रिस्टल और रोशनी वाली राखियों से लेकर वर्चुअल राखी तक मौजूद है। बाजार ने भावनाओं को भी सजाकर बेचने का हुनर सीख लिया है। बहन राखी खरीदती है, भाई उपहार देता है और रस्म पूरी हो जाती है। इसमें बुराई नहीं, पर जब महँगी वस्तु प्रेम की कसौटी बन जाए, तब रिश्ते का अर्थ खोने लगता है। आखिर रिश्तों का मोल राखी की कीमत से नहीं, उसमें बँधे अपनत्व से तय होता है। सादा धागा भी उतना ही अनमोल है, यदि उसमें स्नेह जीवित हो।

राखी के साथ जुड़ी ह्यभाई रक्षक, बहन संरक्षितह्न की धारणा अब उतनी सहज नहीं रही। आज बहनें पढ़ती हैं, नौकरी करती हैं, कारोबार सँभालती हैं और परिवार के बड़े फैसलों में बराबर की भागीदार हैं। कई बार वही भाई की मुश्किल में ढाल बनती हैं–पैसे, सलाह और जिम्मेदारी, हर मोर्चे पर। ऐसे में केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा का वचन रिश्ते की पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। भाई का साथ जरूरी है, तो बहन का सहारा भी उतना ही मूल्यवान है। दोनों एक-दूसरे की ताकत हैं। राखी का अर्थ भी इसी पारस्परिक सहारे और बराबरी तक पहुँचना शायद समय की सबसे स्वाभाविक पुकार है।

राखी का सार्वजनिक और राजनीतिक इस्तेमाल अब आम हो चुका है। नेता महिलाओं से राखी बँधवाकर सुरक्षा का वादा करते हैं; तस्वीरें खिंचती हैं, खबरें बनती हैं और कुछ समय के लिए गंभीरता का आभास भी होता है। लेकिन महिला की सुरक्षा किसी समारोह की मोहताज नहीं–उसे कानून, व्यवस्था, सम्मान और रोजमर्रा के आचरण का सहारा चाहिए। कलाई पर बँधा धागा तभी अर्थवान है, जब उससे जुड़ा वादा व्यवहार में उतरे। केवल रस्म निभा लेने से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। जब परंपरा प्रदर्शन बन जाती है, तो उसका भाव गहरा होने के बजाय कई बार खोखला पड़ जाता है।

आज की बहन से यह कहना कि उसे हर समय किसी पुरुष की सुरक्षा चाहिए, उसके बदलते जीवन को नकारना है। आत्मनिर्भरता भी सुरक्षा की एक मजबूत जमीन है। इसका अर्थ भाई की जरूरत खत्म होना नहीं, बल्कि रिश्ते को एकतरफा संरक्षण से आगे ले जाना है। भाई बहन के फैसलों का सम्मान करे और बहन भी भाई की मुश्किलों में उसके साथ खड़ी हो–यही रिश्ते की असली बराबरी है। इसलिए जब बहन हँसते हुए कहती है, ह्लअब तुम्हारी रक्षा मेरी जिम्मेदारी है,ह्व तो इस मजाक में गहरी सच्चाई छिपी है। रिश्ता तभी मजबूत होता है, जब चिंता और सहारा दोनों तरफ से हों। परंपरा का बदलना, उसका मिटना नहीं; उसे समय के साथ नया अर्थ देना है।

दूरियों ने राखी का रूप बदल दिया है। अब राखी डाक से, उपहार ऑनलाइन, पैसे यूपीआई से और त्योहार वीडियो कॉल पर मनाया जाता है। तकनीक ने फासलों के बावजूद रस्म निभाना आसान कर दिया है। अपनापन घटा या बढ़ा, इसका कोई सीधा हिसाब नहीं। स्क्रीन पर हुई बातचीत भी आत्मीय हो सकती है, बशर्ते रिश्ते में गर्माहट हो। मगर कई बार राखी संदेश, लेन-देन और औपचारिकता तक सिमट जाती है। समय की कमी ने रस्मों पर निर्भरता बढ़ाई है, पर याद रहे–रस्म दूरी पाट सकती है, रिश्ता नहीं बना सकती।

शायद राखी की सबसे सच्ची तस्वीर उस एक दिन में दिखती है, जब भाई-बहन पुरानी नाराजगियाँ कुछ देर किनारे रख देते हैं। सालभर संपत्ति, जिम्मेदारियों, पैसों और पारिवारिक मतभेदों से मनमुटाव हो सकता है, फिर भी राखी पर वही लोग साथ बैठते हैं, मिठाई बाँटते हैं और पुरानी बातों पर हँस लेते हैं। यह कोई स्थायी समाधान नहीं, लेकिन रिश्ते को टूटने से बचाने वाली एक छोटी कोशिश जरूर है। इसलिए राखी केवल रिश्ते की मजबूती का प्रमाण नहीं, बल्कि यह याद भी है कि संबंधों को समय-समय पर संवाद, स्मृति और क्षमा की जरूरत होती है। कलाई का धागा इसी जरूरत की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है।

शायद राखी की असली खूबसूरती किसी एक वचन में नहीं, उस एहसास में है कि जीवन चाहे जितनी दूरियाँ और मुश्किलें सामने रखे, भाई-बहन एक-दूसरे के लिए बने रहें। बहन को कमजोर समझकर सुरक्षा देना और भाई को केवल रक्षक मान लेना, इस रिश्ते को छोटा कर देता है। सच्चा रिश्ता वह है जिसमें दोनों अपने फैसलों और जीवन में स्वतंत्र हों, फिर भी एक-दूसरे की जरूरत को बिना कहे समझें और कठिन समय में साथ खड़े हों। यही राखी की डोर का गहरा अर्थ है–कलाई पर बँधा छोटा-सा धागा, जो याद दिलाता है कि रिश्ते सुरक्षा के वादों से नहीं, उस भरोसे से मजबूत होते हैं जो मुश्किल वक्त में हाथ थाम लेता है।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7615

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7614 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

दैनिक पंचांग

27 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 239 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 09.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शोभन 07.56 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 09.09 बजे तदनन्तर विष्टि 21.33 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872814 **जूलियन दिन** 2461279.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 13 **विशेष** यजुर्वेद उपाकर्म, श्रावण पूर्णिमा, हयग्रीव जयंती।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	मकर में
मंगल	मिथुन में
बुध	सिंह में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	07.14 बजे से
तुला	09.24 बजे से
वृश्चिक	11.39 ब.से
धनु	13.55 बजे से
मकर	16.00 बजे से
कुंभ	17.47 बजे से
मीन	19.19 बजे से
मेष	20.50 बजे से
वृष	22.30 बजे से
मिथुन	00.28 बजे से
कर्क	02.42 बजे से
सिंह	04.58 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का समर्थन जारी रहने तक ईयू के साथ रचनात्मक बातचीत असंभव : रूसी विदेश मंत्रालय

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्रालय के सर्वोच्च राजनयिक अलेक्जेंडर ट्रॉफिमोव ने कहा है कि जब तक यूरोपीय देश यूक्रेन और कीव का समर्थन करते रहेंगे, तब तक रूस और यूरोप के बीच रचनात्मक बातचीत संभव नहीं है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में अलेक्जेंडर ट्रॉफिमोव ने पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ आक्रामक और अनुचित कदम उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम का उद्देश्य रूस को रणनीतिक हार देना है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों का मौजूदा लक्ष्य यूक्रेन की सरकार को समर्थन देना, रूस पर सैन्य दबाव बनाए रखना और इस दौरान अपनी सैन्य-औद्योगिक क्षमता को मजबूत करना है। ट्रॉफिमोव के मुताबिक, जब तक यह रुख कायम रहता है, तब तक किसी रचनात्मक मुद्दे पर बातचीत मुश्किल है। रूसी राजनयिक ने कहा कि मॉस्को के पास पश्चिमी यूरेशिया के बाहर भी कई सहयोगी और साझेदार हैं। रूस उनके साथ समानता और अविभाज्यता के सिद्धांतों के आधार पर यूरेशिया में एक व्यापक सुरक्षा ढांचा विकसित करने की दिशा में बढ़ेगा। ट्रॉफिमोव का यह बयान रूस और यूरोपीय देशों के बीच यूक्रेन संघर्ष को लेकर जारी मतभेदों के बीच आया है। रूस लगातार पश्चिमी देशों की सैन्य और राजनीतिक मदद की आलोचना करता रहा है, जबकि यूरोपीय देश यूक्रेन के समर्थन को उसकी सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी बताते हैं।

चीन ने एआई के लिए लगभग 200 मानक तैयार किए : उप-मंत्री

बीजिंग। चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग के टिकाऊ और व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देने के लिए करीब 200 अहम मानक तैयार किए हैं। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी उप-मंत्री शिन गुओबिन ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिन गुओबिन ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि एआई के क्षेत्र में शासन और मानकीकरण के लिहाज से करीब 200 महत्वपूर्ण मानक सफलतापूर्वक विकसित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि देश के कई शहरों में एआई के उपयोग से जुड़े नैतिक पहलुओं की समीक्षा और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी चल रही है। उप-मंत्री ने कहा कि चीन की कंप्यूटिंग क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। उनके मुताबिक, जून के अंत तक देश की इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग क्षमता 2,185 एक्साफ्लॉप्स तक पहुंच गई थी। शिन गुओबिन के अनुसार, एआई का इस्तेमाल अब उद्योग की लगभग पूरी वैल्यू चेन में हो रहा है। इसमें अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से विभिन्न उद्योगों में तकनीकी बदलाव और अपग्रेडेशन की गति तेज हुई है। उन्होंने बताया कि वास्तविक दुनिया के प्रशिक्षण और प्रयोगों के जरिए रोबोट्स को मैन्युफैक्चरिंग, आपातकालीन बचाव और फूड सर्विस जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी उप-मंत्री शिन गुओबिन ने कहा कि एआई के नैतिक मूल्यांकन और संबंधित सेवाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं लागू करने को लेकर चीन के कई शहरों में तैयारियां की जा रही हैं। इससे एआई के विकास के साथ-साथ इसके सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

भारत जल्द नेपाल भेजेगा राहत सामग्री, बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद की तैयारी

नई दिल्ली। नेपाल में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न हालात के बीच भारत सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रही है। इस बीच नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए हैं। भारतीय नागरिक +977 985 131 6807 और +977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल के तिब्बत सीमा के पास स्थित रसुवा जिले में बुधवार को भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तिब्बती क्षेत्र की ओर ग्लेशियर में अचानक पानी बढ़ने या हिमस्खलन को इस बाढ़ की संभावित वजह माना जा रहा है। बाढ़ से कई गांवों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, हादसे में कम से कम 8-9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 380 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में करीब 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित भारतीयों के परिजनों की सहायता के लिए संपर्क व्यवस्था सक्रिय की गई है।

पुणे रेलवे जंक्शन पर 3.41 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने पुणे रेलवे जंक्शन पर करीब 3.41 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के साथ भारतीय महिला यात्री को गिरफ्तार किया है। डीआरआई टीम मामले की गहन छानबीन कर रही है। डीआरआई अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से आ रही ट्रेन में ड्रग्स की खेप के साथ महिला के आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर डीआरआई टीम ने पुणे स्टेशन पर निगरानी रखी थी। मंगलवार को जैसे ही दिल्ली से आ रही ट्रेन पुणे स्टेशन पर रुकी,

डीआरआई टीम ने संबंधित महिला के सामान की तलाशी ली। महिला के सामान में 2,532 ग्राम सफेद/पीले रंग का क्रिस्टलनुमा पदार्थ मिला, जिसके एम्फेटामाइन होने का संदेह है। इसके अलावा 878 ग्राम अलग-अलग रंगों की गोलियां बरामद हुईं, जिनके एमडीएमए होने का शक है। इन सभी नशीले पदार्थ को डीआरआई की टीम ने जब्त कर लिया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत करीब 3.41 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामदगी के बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी इन पदार्थों के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने के साथ-साथ इस कथित तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

दशनामी अखाड़ा मंदिर से बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए पवित्र छड़ी यात्रा रवाना

पुंछ। पुंछ नगर स्थित प्राचीन दशनामी अखाड़ा मंदिर से बुधवार को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए भगवान शिव और देवी पार्वती के स्वरूप के प्रतीक पवित्र छड़ी यात्रा निकाली गई। दशनामी अखाड़ा राज गुरु गद्दी के वर्तमान महन्त महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती महाराज की अगुवाई में 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बम बम बोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ भाग लिया। सबसे पहले पवित्र छड़ी का वैदिक मंत्रों के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया, जिसके उपरांत पवित्र छड़ी को दशनामी अखाड़ा मंदिर के बाहर लाया गया, तो वहां पर जम्मू कश्मीर पुलिस की तरफ से पुलिस बैंड की धुन पर छड़ी को सलामी दी गई। इसके बाद छड़ी यात्रा बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गई। छड़ी यात्रा में उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र चौधरी सहित कई बड़े नेता, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहे। यह छड़ी यात्रा देर शाम को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर पहुंचेगी, जहां पर एक बार फिर पुलिस की तरफ से सलामी देने के उपरान्त छड़ी का पूजन कर उसे भगवान भोलेनाथ के स्वयंभू शिवलिंग पर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में तीन दिवसीय रक्षा बंधन, दर्शन, पूजन और मेले का शुभारंभ किया जाएगा।

मिलावटखोरी पर कार्रवाई, 5.61 करोड़ रुपये की खाद्य सामग्री जब्त

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में रक्षाबंधन के त्योहार से पहले मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से मंगलवार, 25 अगस्त तक अभियान चलाकर क गई इस कार्रवाई में 5.61 करोड़ रुपये कीमत की 11.73 लाख किलो संदिग्ध और मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की गई है। जांच में घी, मावा, मिठाई, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूनों में गड़बड़ी सामने आई है। सबसे बड़ा खुलासा घी को लेकर हुआ है। भोपाल-इंदौर समेत आठ शहरों में 25 ब्रांड के घी के नमूने अमानक मिले हैं। कुछ नमूनों में पाम ऑयल समेत अन्य मिलावट की पुष्टि हुई है। भोपाल में 9, इंदौर में 7 और उज्जैन में 3 नमूने फेल हुए हैं। इसके अलावा कटनी, नर्मदापुरम, डिंडौरी, धार और दमोह में भी घी के अमानक नमूने मिले हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को जानकारी दी गई कि अभियान के दौरान प्रदेशभर से 4,642 नमूने लिए गए। इनमें 2,605 वैधानिक और 2,037 निगरानी नमूने हैं। प्रयोगशाला में जांचे गए 680 नमूनों में से 174

अमानक पाए गए। कार्रवाई में 18 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस या पंजीयन निरस्त किए गए और 172 नोटिस जारी किए गए।

10,835 किलो प्रतिबंधित एनालॉग पनीर जब्त: प्रतिबंधित एनालॉग पनीर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। विभाग ने 10,835 किलो स्टॉक जब्त किया है। इसके उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर रोक के बाद अब ऐसे कारोबारियों पर निगरानी बढ़ाई गई है।

नागपुर से आया 166 किलो मिल्क केक भी फेल: भोपाल के नादरा बस स्टैंड से जब्त 166 किलो मिल्क केक का नमूना भी अमानक पाया गया। सोमवार को कार्रवाई के दौरान 150 किलो मावा और 166 किलो मिल्क केक जब्त किया गया था। जांच में मिल्क केक मानकों पर खरा नहीं उतरा। विभाग के मुताबिक यह मिल्क केक नागपुर के जरीपटका स्थित मनन स्वीट्स से भोपाल लाया गया था। खाद्य सुरक्षा नियंत्रक मनोज पुष्प ने नागपुर कलेक्टर को पत्र भेजकर संबंधित कारोबारियों पर कार्रवाई के लिए कहा है।

गुजरात के घी निर्माता पर भी कार्रवाई: खेड़ा जिले की बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स के घी का नमूना भी जांच में असुरक्षित पाया गया। खाद्य सुरक्षा नियंत्रक ने गुजरात के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को पत्र भेजकर निर्माता के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

25 घी ब्रांड पर कोर्ट केस की तैयारी: असुरक्षित पाए गए घी के ब्रांडों के निर्माता और विक्रेताओं के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। संबंधित राज्यों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के लिए पत्र भेजे जा रहे हैं। त्योहारों से पहले हुई इस कार्रवाई ने बाजार में बिक रहे घी, मावा, मिठाई और पनीर की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। खाद्य विभाग का कहना है कि मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'जय जगन्नाथ' पर विवाद गहराया, गोवर्धन मठ के शंकराचार्य ने एनिमेटेड चित्रण पर उठाए सवाल

एजेंसी, भुवनेश्वर

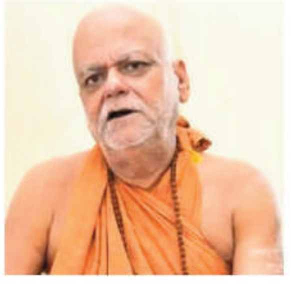

भगवान जगन्नाथ पर प्रस्तावित एनिमेटेड फिल्म और सीरियल 'जय जगन्नाथ' को लेकर विवाद बढ़ गया है। पुरी स्थित गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने भगवान जगन्नाथ के कथित विकृत चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताई है।

गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव के आवासीय कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शंकराचार्य ने भुवनेश्वर की एली एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की जा रही एनिमेटेड प्रस्तुतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। इसके बाद मुक्तिमंडप पंडित सभा ने शंकराचार्य के निर्णय से गजपति महाराजा को अवगत कराया।

शंकराचार्य ने कहा कि शास्त्रों में वर्णित भगवान जगन्नाथ के 'दारु ब्रह्म' स्वरूप को विकृत तरीके से प्रस्तुत करना धार्मिक परंपराओं के प्रति गंभीर आपत्ति का विषय है। उन्होंने कहा कि सनातन धार्मिक परंपराओं में देवी-देवताओं के स्वरूप और उनकी लीलाओं को असत्यापित या विकृत रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने पंचकृत्य—सृष्टि, स्थिति, संहार, तिरोधान और अनुग्रह को दैवी सिद्धांतों का मूल बताते हुए कहा कि इनसे जुड़ी धार्मिक परंपराओं के प्रति असम्मानजनक प्रस्तुति उचित नहीं है।

शंकराचार्य ने भगवान जगन्नाथ और अन्य देवी-देवताओं के कथित विकृत स्वरूपों तथा उनकी दिव्य लीलाओं को दर्शाने वाली असत्यापित एनिमेटेड सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है।

वहीं, मुक्तिमंडप पंडित सभा ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णय पर पुनर्विचार की मांग भी की है। इस घटनाक्रम के बाद प्रस्तावित फिल्म और सीरियल को लेकर धार्मिक, सांस्कृतिक और कानूनी स्तर पर बहस तेज हो गई है।

कडलूर में पुलिस मुठभेड़ के बाद 30 से अधिक मामलों का हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

एजेंसी, कडलूर

तमिलनाडु के कडलूर जिले में हत्या के एक मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर गोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस की गोली लगने से गोपी घायल हो गया। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। घायल गोपी का कडलूर सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक, नेयवेली क्षेत्र में गोपी के नेतृत्व वाले गिरोह और आनंदराज के नेतृत्व वाले दूसरे गिरोह के बीच लंबे समय से वर्चस्व को लेकर गैंगवार चल रही थी। दोनों गिरोहों के बीच जारी विवाद ने 16 अगस्त को हिंसक रूप ले लिया। उस दिन नेयवेली में शराब पी रहे आनंदराज गिरोह के सदस्यों पर गोपी के समर्थकों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में नरेश नामक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, जबकि आनंदराज गंभीर रूप से

घायल हो गया। उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। इस हत्या के मामले में गोपी को मुख्य आरोपित बनाया गया था। घटना के बाद से वह फरार था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार अभियान चला रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि गोपी कडलूर के मुथांडिक्कुप्पम इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर नेयवेली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर गोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए गोपी ने अपने पास मौजूद अरिवाल (धारदार हथियार) से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना" की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान

किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है। इसी सोच और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह पहल महिलाओं को 2,500 प्रति माह की सीधी आर्थिक सहायता देगी, जिससे उनकी गरिमा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति' को आधुनिक, समावेशी और सशक्त विकसित दिल्ली की नींव बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वित्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा को लेकर कई योजनाएं चल रही है।

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

एजेंसी, जोधपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देश को बांटने वाले बयान दे रहे हैं। उन्हें भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, यह उनके मनुस्मृति पर दिए गए बयान से स्वयं स्पष्ट हो गया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं के प्रति जन-आस्था को प्रदूषित करने तथा हमारे गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने के लिए पिछले लगभग 200 वर्षों में कई

सुनियोजित प्रयास हुए। अंग्रेजों ने जानबूझकर यह काम किया। स्वतंत्रता के बाद जब हमारे पास अवसर था कि हम अपने इतिहास और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को सही करते, तब राहुल गांधी के पूर्वजों के शासनकाल में इसे सुधारने के बजाय और अधिक गति से हमारी सभ्यतागत चेतना को दूषित करने का कार्य किया गया। आज भी उसी मानसिकता के साथ देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं।

शेखावत ने कहा कि भारत वह समाज और सभ्यता है, जिसने मातृशक्ति को इंस्टीट्यूशनलाइज्ड रिस्पेक्ट दिया है। जहां ज्ञान के लिए मां सरस्वती, शक्ति के लिए मां दुर्गा और धन-समृद्धि के लिए मां महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जहां गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी जैसी महान विदुषी स्त्रियां हुई हों, उस महान समाज और व्यवस्था के विषय में इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी करना न केवल अशोभनीय व निंदनीय है, बल्कि यह उनके ज्ञान के उथलेपन को भी उजागर करता है। जयपुर में नकली नोटों की बरामदगी और कांग्रेस नेता के पुत्र का नाम आने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि देश में और देश के बाहर बैठी भारतविरोधी ताकतें, जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और इसकी तेज गति पच नहीं रही है, वे इस तरह के षड्यंत्र और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। हमारी सरकार पूर्ण सजगता के साथ ऐसी हर गतिविधि, अपराध और प्रयास को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रही है। शेखावत ने कहा कि जयपुर में जो नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है, उसकी पुलिस द्वारा शुरुआत से अंत तक गहन जांच होनी चाहिए। इसका मुख्य स्रोत क्या है? ये नोट कहां प्रिंट हुए और इनका सप्लायर कौन है? ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को पूरी तरह रोका जा सके। शेखावत ने कहा कि चुनाव के इस संवेदनशील माहौल में यदि कांग्रेस पार्टी के किसी जिम्मेदार कार्यकर्ता या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े परिवार के बच्चों के पास से इतनी बड़ी खेप बरामद होती है तो यह और भी अधिक चिंताजनक विषय है।

शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जोधपुर और राजस्थान के लगभग सभी निकायों में विजय हासिल करने वाली है। डबल इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उसे देखते हुए मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि पार्टी निकाय चुनाव में एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना परचम फहराएगी।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो हकदार नहीं थे: किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं

थे!"

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

एजेंसी, मुंबई

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का बुधवार को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी और अभिनेत्री अरुणा ईरानी समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंतिम विदाई के दौरान अरुणा ईरानी बेहद भावुक नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में परिजन उन्हें संभालते दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। दिल का दौरा पड़ने से हुई उनकी मौत से फिल्म जगत में शोक की लहर है। कुकू कोहली की अंतिम यात्रा अंधेरी पश्चिम स्थित उनके ग्रीन एकर्स आवास से शुरू हुई। ओशिवारा श्मशान घाट पर परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सामने आए एक वीडियो में अरुणा ईरानी सफेद कपड़ों में नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर पति को

खोने का गहरा दर्द साफ दिखाई दे रहा है। एक अन्य वीडियो में वह फूट-फूटकर रोती नजर आईं। इन भावुक दृश्यों ने उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों को भी भावुक कर दिया। कुकू कोहली को अंतिम विदाई देने बॉलीवुड की कई हस्तियां भी पहुंचीं। विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, अशोक पंडित और रोहित शेट्टी समेत कई कलाकारों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने दिवंगत निर्देशक को श्रद्धांजलि दी। कुकू कोहली ने अपने करियर में कई चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया था। खास तौर पर 'फूल और कांटे' के जरिए उन्होंने अजय देवगन को बतौर अभिनेता लॉन्च किया था। 'सुहाग', 'हकीकत' और 'ये दिल आशिकाना' जैसी फिल्मों के लिए भी उन्हें याद किया जाता है।

चरवाहों को लाभार्थी नहीं, संरक्षणकर्ता मानकर हो चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना: भूपेंद्र यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगोलिया के उलानबतार में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कनवेंशन (यूएनसीसीडी) के 17वें सम्मेलन (सीओपी-17) में चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को केंद्रीय भूमिका देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफल पुनर्स्थापना की शुरुआत चरवाहों को केवल लाभार्थी मानने के बजाय उन्हें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षणकर्ता मानने से होती है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, यूएनसीसीडी सीओपी-17 के दौरान 'चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना और चरवाहा समुदायों का कल्याण' विषय पर आयोजित मंत्रीस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भारत ने वैज्ञानिक योजना और सामुदायिक भागीदारी के जरिए घासभूमियों और चरागाहों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापना का अनुभव विकसित किया है। उन्होंने कहा कि भारत में चरागाह क्षेत्र हिमालयी चरागाहों, मध्य

भारत के सवाना क्षेत्रों, राजस्थान के शुष्क थार और कच्छ से लेकर दक्षिण भारत के शोला क्षेत्रों तक फैले हैं। ये क्षेत्र देश की बड़ी पशुधन आबादी के साथ लाखों लोगों की आजीविका का आधार हैं।

यादव ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर ऐसी पुनर्स्थापना सुनिश्चित की जा सकती है जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी हो। उन्होंने बताया कि उपग्रह आधारित मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस घासभूमियों की पहचान और पुनर्स्थापना की वैज्ञानिक योजना बनाने में मदद कर रहे हैं। वहीं, चराई अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता स्थानीय समुदायों की भूमिका को मजबूत करती है।

केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान के 'ओरण' का उदाहरण देते हुए कहा कि ये पवित्र उपवन स्थानीय समुदायों की पारंपरिक संरक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। देशभर में करीब 25 हजार ऐसे सामुदायिक रूप से संरक्षित पवित्र उपवन हैं, जो लगभग छह लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। ये क्षेत्र स्थानीय समुदायों की भागीदारी से संरक्षित होने के साथ चरागाहों और महत्वपूर्ण वन्यजीव आवासों के संरक्षण में भी योगदान देते हैं। इनमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे संकटग्रस्त पक्षियों के महत्वपूर्ण आवास भी शामिल हैं। यादव ने कहा कि भारत खुले वन और घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्रों की पुनर्स्थापना के लिए भी काम कर रहा है। उन्होंने चीता पुनर्वास कार्यक्रम और गुजरात के बन्नी जैसे घासभूमि क्षेत्रों में इसके संभावित विस्तार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गहरी जड़ वाली घासें मिट्टी में कार्बन के भंडारण, पानी के जमीन में पहुंचने और भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, गुरूवार 27 अगस्त 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोजमर्रा की जिंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, 'जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

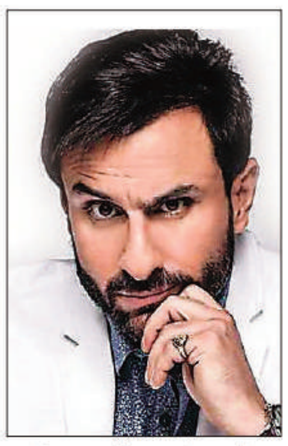

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताई। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'